सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 302 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 14 अगस्त 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

दिल्ली में नहीं हुई पीसीसी चीफ पर चर्चा

फिर भी लग रहे परिवर्तन के कयास, टीएस ने खुद कहा,- सिर्फ हार के कारणों पर हुई चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज डेस्क

रायपुर। फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के समक्ष छत्तीसगढ़ के नेताओं की बैठक के बाद भले ही पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को पीसीसी चीफ बनाए जाने की चर्चाएं सरगर्म हों, किन्तु उस बैठक में इसे लेकर किसी तरह की चर्चा नहीं होने की खबर है। पार्टी के भरोसेमंद सूत्रों का दावा है कि पीसीसी चीफ बनने की मंशा टीएस बाबा की हो सकती है, लेकिन पार्टी आलाकमान को फिलहाल नया अध्यक्ष बनाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। अलबत्ता, एआईसीसी में एक प्रभावी और बड़े ओबीसी चेहरे की जरूरत जरूर महसूस की जा रही है, जिसके लिए पूर्व सीएम भूपेश बघेल का नाम सुर्खियों में है। बघेल को एआईसीसी में महासचिव बनाया जा सकता है।

गौरतलब है कि दिल्ली दौरे से लौटने के बाद वरिष्ठ नेता और पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने बड़ा बयान दिया था। जिसके बाद से सियासी हलकों में यह चर्चा शुरू हो गई कि टीएस बाबा को पार्टी प्रदेश में बड़ी जिम्मेदारी देने की तैयारी में है। मीडिया ने जब टीएस सिंहदेव से बड़ी जिम्मेदारी को लेकर सवाल किया तो उन्होंने पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनने की इच्छा जाहिर की। हालांकि स्पष्ट रूप से उन्होंने यह कहा कि यदि पीसीसी अध्यक्ष की जिम्मेदारी उन्हें मिलती है तो वे इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने संगठन में किसी भी तरह की जिम्मेदारी मिलने पर काम करने की इच्छा जाहिर की थी। इसके बाद से ही इन कयासों को बल मिला कि छत्तीसगढ़ में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर पार्टी सिंहदेव का नाम आगे बढ़ा सकती है। टीएस के बयान के बाद राज्य की कांग्रेसी राजनीति में भी हलचल देखी गई। हालांकि बड़ी जिम्मेदारी मिलने के सवाल पर टीएस बाबा ने कहा कि अभी ऐसा कुछ भी नहीं है। यह सिर्फ अटकलें है और यह अटकलें इसलिए लग रही है, यह ओडिशा का इफेक्ट है। बहुत समय बाद कांग्रेस में देखने को मिला है कि ओडिशा की पूरी बॉडी को ही भंग कर दिया गया।

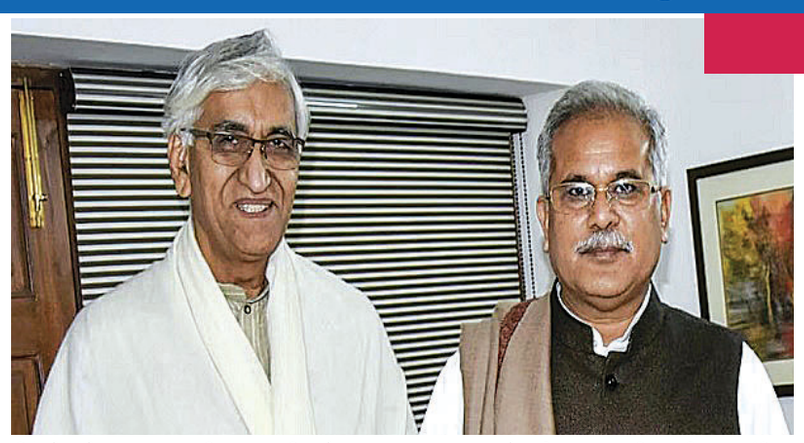

भूपेश को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे और राहुल गांधी से अलग-अलग चर्चा की। इसके बाद संगठन में बदलाव की चर्चा ने जोर पकड़ा है। राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा जोरों पर है कि बघेल को ओबीसी चेहरे के रूप में आगे करते हुए एआईसीसी में महासचिव बनाया जा सकता है। हालांकि पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर टीएस सिंहदेव ने स्पष्ट कहा कि दिल्ली की बैठक में सिर्फ हार के कारणों पर चर्चा हुई है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता धनेन्द्र साहू ने भी स्पष्ट किया कि दिल्ली-बैठक में संगठन में बदलाव को लेकर किसी तरह की चर्चा नहीं हुई है। एआईसीसी की बैठक के बाद बड़ी जिम्मेदारी या महासचिव बनाने की लेकर भूपेश बघेल ने कहा, एआईसीसी लगातार अलग-अलग समय में जिम्मेदारियां देती रही है। जब मुख्यमंत्री था, तब भी बड़ी जिम्मेदारी दी गई थी। अब क्या जिम्मेदारी मिलेगी, वह हाई कमान तय करेगा। जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, झारखंड और महाराष्ट्र के चुनाव में भी जिम्मेदारी मिलेगी तो बखूबी निभाया जाएगा। निकाय चुनाव में भी जिम्मेदारी मिलेगी तो काम करेंगे।

कैप्टन का बदलाव स्वाभाविक

मीडिया से चर्चा में टीएस बाबा ने कहा कि पिछली पराजय से ठोकर मिली है। इससे सबक तो लेना ही चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि लम्बे समय से जो कैप्टन है, उनका बदलाव स्वाभाविक है। उनके इस बयान से भी राजनीतिक पंडितों को कयास लगाने का मौका मिला कि वर्तमान पीसीसी चीफ दीपक बैज की जगह नया अध्यक्ष जल्द ही छत्तीसगढ़ कांग्रेस को मिल सकता है। उल्लेखनीय है कि राज्य में पिछले साल के अंत में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा था। टीएस सिंहदेव खुद भी सरगुजा विधानसभा सीट से चुनाव हार गए थे। टीएस सिंहदेव की गिनती छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के सबसे अनुभवी नेताओं में होती है। वे 2008 से 2018 तक लगातार तीन बार विधानसभा का चुनाव जीते। इस दौरान उन्होंने 2013 से 2018 तक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभाई, जबकि 2018 से 2023 तक वे बघेल सरकार में मंत्री और उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। टीएस सिंहदेव सरगुजा के वर्तमान महाराजा भी हैं। वे सरगुजा की गद्दी पर बैठने वाले अंतिम शासक है, जिसका मुख्यालय अंबिकापुर में है। विधानसभा चुनाव के बाद से सिंहदेव पहली बार एक्टिव नजर आ रहे हैं। दिल्ली में पार्टी के बड़े नेताओं से भी उनकी मुलाकात हुई है। संभवत: इसीलिए माना जा रहा है कि उन्हें बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है।

खरगे-राहुल का तय हुआ दौरा

कांग्रेस जाति जनगणना को लेकर देशभर में अभियान चलाने जा रही है। इस कड़ी में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 20 अगस्त से सभी राज्यों का दौरा करेंगे। इसके लिए छत्तीसगढ़ में भी आएंगे। इसके मद्देनजर प्रदेश कांग्रेस कमेटी को कहा गया है कि वो 20 से 31 अगस्त के बीच का एक कार्यक्रम तैयार कर भेजें। इसके आधार पर छत्तीसगढ़ में राहुल और खरगे का दौरा तय होया। वहीं, दूसरी ओर दिल्ली से लौटने के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने संगठन में बड़े बदलाव की चर्चा को सिरे से खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि बैठक में बदलाव को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। बता दें कि राजनीतिक गलियारों में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव को बड़ी जिम्मेदारी मिलने की चर्चा है। हालांकि, इसका फैसला शीर्ष नेतृत्व को ही करना है। दिल्ली में सभी प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों को यात्रा की तैयारियों के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष बैज दिल्ली से लौटने के बाद बैठकें लेंगे और जिलों का दौरा करेंगे। जाति जनगणना कराने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को जागरूक करने के साथ प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि वो लोगों के बीच इसको लेकर गलतफहमियों को दूर कर सकें।

खास-खबर

राष्ट्र के प्रति प्रेम, आपसी सौहार्द, एकता और अखंडता को बढ़ावा देना स्वतंत्रता दौड़ का मुख्य उद्देश्य : टंक राम वर्मा

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आज सुबह बलौदाबाजार जिला मुख्यालय स्थित पंडित चक्रपाणि विद्यालय परिसर में स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजस्व एवं आपदा, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि राष्ट्र के प्रति प्रेम, आपसी सौहार्द और एकता एवं अखंडता को बढ़ावा देना इस दौड़ का मुख्य उद्देश्य है। इस मौके पर उन्होंने दौड़ लगाकर सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इसके बाद तिरंगा फहराने स्वतंत्रता सेनानियों, वीर सपूतों की भावना का सम्मान करने, देश के विकास और प्रगति के लिए खुद को समर्पित करने समाज में शांति और सद्भावना बनाए रखने की शपथ दिलाई।

स्वतंत्रता दौड़ में पंडित चक्रपाणि, गरूकुल, शाश्वत एवं पंडित लक्ष्मी प्रसाद तिवारी कन्या स्कूल के छात्र-छात्राओं सहित लगभग 4 सौ से अधिक स्थानीय जनप्रतिनिधि, पत्रकार गण, अधिकारी-कर्मचारी दौड़ में शामिल हुए।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने दो अतिरिक्त जजों को दिलाई शपथ

बिलासपुर। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट बिलासपुर में बिभु दत्त गुरू तथा अमितेन्द्र किशोर प्रसाद को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के अतिरिक्त जज के रूप में शपथ दिलाई। उल्लेखनीय है कि विधि एवं विधायी कार्य विभाग, नई दिल्ली द्वारा उक्त नियुक्ति के संबंध में अधिसूचना जारी की गयी थी। शपथ ग्रहण समारोह में महाधिवक्ता प्रफुल्ल एन. भारत, उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष उमाकांत सिंह चंदेल व डिप्टी सॉलीसिटर जनरल रमाकांत मिश्रा ने उक्त नवनियुक्त न्यायमूर्तियों के जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्तागण, बार एसोसिएशन के पदाधिकारीगण, अधिवक्तागण, रजिस्ट्रार जनरल व न्यायिक अधिकारीगण, ज्यूडिशियल एकेडमी के न्यायिक अधिकारीगण, रजिस्ट्री के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

इस राज्य में है सुसाइड के लिए भी हेल्पलाइन

श्रीकंचनपथ

सुसाइड के लिए हेल्पलाइन का मतलब सुसाइड करने में मदद करना नहीं है. यह एक ऐसा हेल्पलाइन है जो सुसाइड की कगार पर खड़े लोगों की मदद करता है। इस राज्य में बड़ी संख्या में ऐसे लोग बेरोजगार हो गए हैं जो कल तक बेहद खुशहाल जिन्दगी बिता रहे थे। इस उद्योग से बड़े संख्या में न केवल कामगारों की छंटनी हुई है बल्कि बड़ी संख्या में कारीगरों के वेतन में कटौती कर दी गई है। हम बात कर रहे हैं गुजरात की। गुजरात का डायमण्ड उद्योग फ़िलहाल मुश्किल में है। पिछले 16 महीनों में हीरा उद्योग से जुड़े 65 से अधिक कारीगर आत्महत्या कर चुके हैं। बिगड़ती स्थिति को देखते हुए डायमंड वर्कर्स यूनियन गुजरात ने 15 जुलाई को 'सुसाइड हेल्पलाइन नंबर' शुरू किया। अभी तक इस हेल्पलाइन पर 1600 से अधिक कॉल आ चुके हैं। इन सभी ने अपनी आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए मदद की मांग की है। डीडब्ल्यूयूजी के मुताबिक पिछले 16 माह में सूरत के जिन 65 हीरा श्रमिकों ने आत्महत्या की है, उनमें से अधिकांश वेतन कटौती और नौकरी छूटने के कारण परेशान थे। हेल्पलाइन पर कॉल करने वाले कईयों ने कहा है कि वित्तीय तनाव के कारण अपनी जान लेने के कगार पर हैं। जिन लोगों के वेतन में 30 प्रतिशत तक की कटौती हुई है, वे अपने बच्चों की स्कूल फीस, घर का किराया, घर और वाहन लोन की मासिक किस्त आदि चुकाने में मदद मांगते हैं। यूक्रेन-रूस और इज़राइल-गाजा संघर्षों के साथ-साथ प्रमुख बाज़ार चीन में कमज़ोर मांग के कारण इस साल 50,000 कर्मचारियों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। स्थिति इतनी गंभीर हुई कि 50 हजार कर्मचारियों को एक साथ 10 दिन की छुट्टी पर भेजना पड़ा। इस मामले की गूंज लोकसभा में भी सुनाई दी थी। पीड़ितों को कुछ राहत पहुंचाने एक डायमण्ड कंपनी ने विद्यार्थियों को 15-15 हजार रुपए की वित्तीय मदद भी दी। गुजरात के हीरा कटाई और चमकाई उद्योग की यह हालत एकाएक नहीं हुई है। गुजरात को विश्व में हीरा पॉलिशिंग की राजधानी के रूप जाना जाता है। गुजरात ने हीरा पॉलिशिंग के वैश्विक केंद्र के रूप में भी अपनी प्रतिष्ठा बना ली है। गुजरात में हीरा-काटने का उद्योग 1930 के दशक के अंत में शुरू हुआ था, लेकिन 70 के दशक में ही यह वास्तव में तेजी से बढ़ने लगा। 2008 में जब वैश्विक वित्तीय संकट आया, तब गुजरात के सूरत में केंद्रित भारतीय हीरा प्रसंस्करण उद्योग दुनिया भर में संसाधित कुल हीरों का लगभग 85 प्रतिशत संभाल रहा था। सूरत के आसपास केन्द्रित यह उद्योग इतना सफल था कि डायमण्ड इकाइयां अपने कर्मचारियों को दीवाली पर कार जैसे उपहार देती थीं। पर अब इस उद्योग पर मंदी का साया मंडरा रहा है। लोग निजी संस्थानों से भारी-भरकम ब्याज दरों पर पर्सनल लोन लेने को मजबूर हैं। इसे पटाना भी मुश्किल होगा। क्या सरकार का कोई फर्ज नहीं?

सुरक्षा बलों की बड़ी कामयाबी

सुकमा में छह नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दो लाख का एक इनामी भी शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले सुकमा जिले में सक्रिय कुल छह नक्सलियों के द्वारा आत्मसमर्पण किया गया है। छत्तीसगढ़ शासन की 'छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति' एवं 'नियद नेल्ला नार' योजना से प्रभावित होकर तथा अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार नवीन सुरक्षा कैंप स्थापित कर पुलिस के बढ़ते प्रभाव से आत्मसमर्पण किया गया। आत्मसमर्पण करने वाले एक नक्सली पर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा दो लाख रुपये का इनाम घोषित है। नक्सलियों को आत्मसमर्पण के लिए प्रोत्साहित कराने में नक्सल सेल आसूचना शाखा एवं 74 वाहिनी सीआरपीएफ के आसूचना शाखा का विशेष प्रयास रहा है।

मामले की पुष्टि करते हुए सुकमा एसपी किरण चौहान ने बताया कि नक्सलियों के अमानवीय, आधारहीन विचारधारा एवं उनके शोषण, अत्याचार तथा बाहरी नक्सलियों के द्वारा भेदभाव करने तथा स्थानीय आदिवासियों पर होने वाली हिंसा से तंग आकर नक्सली संगठन में सक्रिय कुल छह नक्सलियों ने सरेंडर किया है। जिसमें पहले नक्सली की पहचान दो लाख के इनामी राकेश उर्फ पदाम भीमा पिता स्व. हड़मा निवासी चिमलीपेंटा भण्डारपारा थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा के रूप में हुई है।

स्वतंत्रता दिवस पर जिला मुख्यालय में वनमंत्री केदार कश्यप करेंगे ध्वजारोहण

दुर्ग। प्रदेश के संसदीय कार्य, वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप जिला मुख्यालय दुर्ग के पुलिस परेड ग्राउण्ड में आयोजित स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के मुख्य समारोह में प्रात: 9 बजे ध्वाजारोहण करेंगे और परेड की सलामी लेंगे। इसके बाद परेड का निरीक्षण कर मुख्य अतिथि श्री कश्यप मुख्यमंत्री जी के संदेश का वाचन करेंगे। कार्यक्रम में हर्ष फायर और मार्च पास्ट के बाद शालेय छात्र-छात्राओं द्वारा शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी।

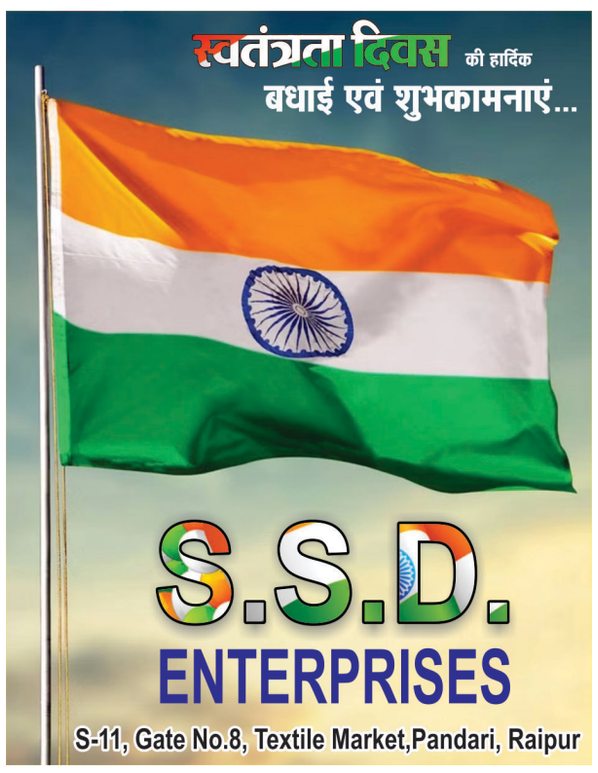

संपादकीय

इंसाफ मांगते डॉक्टर

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुराचार व बर्बर हत्या के बाद देश भर के डॉक्टरों में जो गम और गुस्सा है, उसे समझा जा सकता है। इस घटना के विरोध में देश भर में डॉक्टर मंगलवार को भी हड़ताल पर रहे, जिसके कारण लगभग सभी हिस्सों में ओपीडी सेवाएं बाधित रहीं। जाहिर है, इससे मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अब चूंकि इस मामले का संज्ञान लेते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी है और राज्य पुलिस को सारे कागजात बुधवार 10 बजे तक सीबीआई को सौंपने की हिदायत दी है, तो उम्मीद की जानी चाहिए कि मामले की संतोषजनक तफ्तीश होगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। अदालत ने उचित ही आंदोलित डॉक्टरों को उनके 'पावन दायित्व' का एहसास कराया है और उनसे अपने काम पर लौटने की अपील की है। आखिर किसी जालिम की करतूत की सजा बेकसूर मरीजों को क्यों मिलनी चाहिए?

इस हत्याकांड ने एक बार फिर पश्चिम बंगाल पुलिस को सवालों के कठघरे में खड़ा कर दिया है। खुद अदालत ने सवाल किया कि आखिर शुरुआत से ही हत्या के बजाय अस्वाभाविक मौत के नजरिये से जांच क्यों की गई? फिर 9 अगस्त को घटी इस घटना में उसने जिस आरोपी को हिरासत में लिया है, वह उसी का एक वॉलंटियर बताया जाता है और उसे इस अस्पताल में अक्सर मंडराते देखा जाता था। इतने संवेदनशील मामले में अतिरिक्त सक्रियता बरतकर कोलकाता पुलिस न सिर्फ पीड़ित परिवार के भरोसे का संरक्षण कर सकती थी, बल्कि डॉक्टरों को भी यह यकीन दिला सकती थी कि अपराधी चाहे कोई भी हो या हों, चंद घंटों के भीतर वे सलाखों के पीछे होंगे! मगर बंगाल पुलिस ने कहीं न कहीं कोताही बरती। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का उसे यह अल्टीमेटम देना कि रविवार तक जांच पूरी हो, वरना मामला सीबीआई को सौंप देंगे, आखिर क्या ध्वनित करता है? दरअसल, यह सिर्फ एक राज्य की पुलिस की बात नहीं है। लोगों की निगाहों में राज्य-दर-राज्य पुलिस की छवि इतनी कमजोर हो चली है कि जघन्य अपराधों की तफ्तीश में भी लोग उसकी पेशेवर काबिलियत पर आसानी से भरोसा नहीं करते और उसमें सियासी कोण देखने लगते हैं। निस्संदेह, इसके लिए पुलिस के साथ-साथ राजनीतिक नेतृत्व भी बराबर के दोषी हैं।

किसी भी राज्य पुलिस के लिए यह कम शर्मिंदगी की बात नहीं कि उसके हाथ से जांच लेकर किसी दूसरी एजेंसी को सौंप दी जाए, मगर क्या अब तक किसी प्रदेश की पुलिस ने इसे चुनौती के रूप में लिया है? विडंबना यह है कि खुद सीबीआई की सफलता की दर पर सवाल उठाए जाते रहे हैं और उसकी छवि पर 'तोता' की उपमा इस कदर चस्पां है कि वह उससे उबर नहीं पा रही। ऐसे में, आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की डॉक्टर के हत्याकांड की जांच उसके लिए एक नई चुनौती है कि वह जल्दी से जल्दी इसकी तफ्तीश मुकम्मल कर न सिर्फ दोषी या दोषियों को सलाखों के पीछे पहुंचाए, बल्कि अपनी छवि भी सुधारे। दुनिया का कोई भी तंत्र अपराध को घटने से पूरी तरह भले न रोक पाए, मगर अपराधी को उसके अंजाम तक पहुंचाकर इस प्रवृत्ति को हतोत्साहित जरूर कर सकता है। साथी के लिए न्याय मांगते डॉक्टरों को भी सोचना चाहिए कि इंसाफ का तकाजा क्या यह भी नहीं है कि किसी मरीज से नाइंसाफी न हो?

अब समस्या के समाधान के लिए एप का प्रयोग...

छत्तीसगढ़ में हाथियों की संख्या बढ़ती जा रही है,इसी के साथ हाथियों के हमले में मरने वालों की संख्या भी बढ़ती जा रही है साथ ही हाथियों के भी मरने के मामलों की संख्या बढ़ी है। समस्या तो यह है कि आदमियों को हाथियों से बचाना है तो हाथियों को भी आदमी से बचाना है। यानी आदमी-हाथी द्वंद्व ऐसी समस्या है जिसमें दोनो मारे जाते हैं और दोनों को बचाना है। छत्तीसगढ़ राज्य बने दो दशक से ज्यादा समय हो गया है। तब से यह समस्या है और हर सरकार ने अपने तौर पर इस समस्या के समाधान का प्रयास किया पर समस्या का समाधान नहीं हुआ। इसकी एक वजह यह भी बताई जाती है कि वन विभाग भी ऐसा सरकारी विभाग है, जिसमें भ्रष्टाचार करने के सबसे ज्यादा मौके होते हैं। वन विभाग के अधिकारी नई नई योजनाएं बनाते हैं और उसमें खूब भ्रष्टाचार होता है। मानव हाथी द्वंद्व को रोकने के लिए भी वन विभाग के अफसरों ने एक से एक प्रयोग किए और मानव-हाथी द्वंद्व तो नहीं रुका, वन विभाग के अफसरों ने अपनी जेबें जरूर भर ली। अब जंगल मे तो कोई देखने नहीं जाता है कि वन विभाग से अफसर जो खर्च बता रहे है वह वाकई किया गया है नहीं। यही वजह है कि 23 साल मे दस से ज्यादा योजनाएं बनाई गई, करोड़ो रुपए खर्च हो गए पर हाथी आज भी आदमी को और आदमी हाथी को मार रहे हैं।

मानव हाथी द्वंद्व रोकने के लिए छत्तीसगढ़ में कई योजनाए बनाई गई जैसे सोलर फेंसिंग,इसका उपयोग हाथी को गांव के अंदर न आने देने के लिए करने को सोचा गया था, यानी हल्का करंट लगने से हाथी गांव के अंदर नहीं जाएगा, ऐसा सोचा गया, मधुमक्खी पालने करने की योजना बनाई गई कि जहां मुधमक्खी का छत्ता होता है हाथी नहीं आते हैं। अस्थायी ट्रांजिट कैंप, इस योजना के तहत वन विभाग जंगल में हाथियों को चारा देता था ताकि वह चारा खाकर जंगल में ही रहें, गांव की तरफ न आएं। बिगड़ैल हाथियों को गांव की तरफआने से रोकने के लिए कर्नाटक से कुमकी हाथी लाए गए, हाथी को रेडियो कालर लगाने की योजना बनाई गई,हाथियों को लगाने रेडियो कालर खरीदे गए ताकि हाथी कहां है इसका पता चलता रहे तथा लोगों को सावधान किया जाए जब हाथी उनके गांव की तरफ आएं पर यह लगाया नही जा सका। हाथी के गले में घंटी बांधने का फरमान जारी हुआ था.हाथी के गले में बांधने के लिए घंटी भी खरीदी गई लेकिन बांधी नहीं जा सकीं। गांवों की तरफ हाथियों को आने से रोकने के लिए गजराज वाहन खरीदे गए लेकिन हाथियों को गांवों की तरफआने से रोका नहीं जा सका। पहले हाथियों की सूचना देने के लिए गांवों में मुनादी कराई जाती थी, अब मोबाइल का जमाना है तो हाथियो के गांव की तरफआने की सूचना देने के लिए उसका प्रयोग किया जाने लगा है। अब तो वनविभाग ने एक एप बनवा लिया है। इसके जरिए अब 16 वनमंडल के गांवों के लोगों के मोबाइल से तुरंत हाथियो की लोकेशन के बारे में बताया जा सकेगा।

इससे गांव के लोग समय रहते सतर्क हो जाएंगे और मानव हाथी द्वंद्व को रोका जा सकेगा। अब तक मानव हाथी द्वंद्व की बड़ी वजह यह है कि लोगों को पता नहीं रहता है कि हाथी कहां है और उस क्षेत्र में लोगों के जाने से ही सबसे ज्यादा लोग मारे जाते हैं। लोगों को पता नहीं रहता है कि जंगल में हाथी कहां और वह वहीं चले जाते हैं। आदमी को ठीक ठीक मालूम रहेगा कि हाथी कहां पर हैं तो मानव खुद को उससे बचा सकेगा। उसके गांव की तरफ आने की सूचना भी समय पर मिलने से लोग खुद को हाथी से बचा सकेंगे। बताया जाता है कि 11 साल में हाथियों ने 600 लोगों को मारा है। यानी हर साल 40-50 लोगों का हाथी मारते है। एप से गांव के लोगों को हाथी की सूचना मिलने पर अब हाथी के हमले में मरने वालों की संख्या जरूर कम होगी। बताया गया है कि इस एप का सफल प्रयोग वनविभाग ने गरियाबंद उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में किया है। अब इसे हाथी प्रभावित सात वनमंडल में लागू कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ एलीफेंट ट्रेकिंग एंड एलर्ट एप से 10 किमी के दायरे में हाथियों की गतिविधियों की सटीक जानकारी मोबाइल से लोगों को दी जा सकेगी। बताया गया है कि दिसंबर तक राज्य के सभी 16 वनमंडलों में एप का प्रयोग किया जाएगा। इससे सभी वनमंडलों में लोगों को हाथी के हमले से बचाया जा सकेगा। विश्व हाथी दिवस पर पीएम मोदी ने भारत मे हाथियों को प्राकृतिक आवास दिलाने की प्रतिबध्दता जताई है तो हाथी व मानव के द्वंद्व का एक मूल कारण यह भी है कि हाथियों का प्राकृतिक आवास अब नहीं रह गए है इसलिए वह मनुष्य के आवास तक पहुंच जाते हैं। वे मनुष्य को नुकसान पहंचाते है और मनुष्य उनको नुकसान पहुंचाता है।

नजरिया

कोसी से मेची तक जुड़ जाएंगी बारह से ज्यादा नदियां

कोसी-मेची लिंक नहर एकाएक चर्चा में आ गई है, क्योंकि वर्षों की प्रतीक्षा के बाद इस वर्ष के बजट में इसके निर्माण की घोषणा हुई है। केंद्र सरकार ने तो काफी पहले 2004 से ही नदी जोड़ योजना पर गंभीरतापूर्वक विचार करना शुरू कर दिया था, पर बिहार सरकार ने इस पर 2006 में फैसला लिया और केंद्र से अनुरोध किया।

दिनेश मिश्र, जल विशेषज्ञ

बीरपुर से माखनपुर (किशनगंज) के बीच यह नहर मेची में मिलकर समाप्त हो जाएगी। 117 किलोमीटर दूरी तय करने वाली यह प्रस्तावित नहर 12 से ज्यादा नदियों को काटती या जोड़ती हुई पार करेगी। इन नदियों में परमान, टेहरी, लोहंदरा, भलुआ, बकरा, घाघी, पहरा, नोना, रतुआ, कवाल, पश्चिमी कंकई और पूर्वी कंकई आदि मुख्य हैं। नहर की राह में आने वाले छोटे-मोटे नालों की तो गिनती ही नहीं है। ये सभी नदी-नाले उत्तर से दक्षिण दिशा में बहते हैं, जबकि अपने प्रस्तावित विस्तार सहित कोसी-मेची लिंक नहर पश्चिम से पूर्व दिशा में बहेगी।

कोई संदेह नहीं कि यही काम अगर कोसी पूर्वी मुख्य नहर के निर्माण के समय कर दिया गया होता, तो आज हमें ये सब बातें कहनी नहीं पड़तीं। खैर, देर से ही सही, लोगों को राहत पहुंचाने का यह काम इस बार जरूर किया जाएगा। इस लिंक नहर के निर्माण से कोसी-मेची क्षेत्र में कृषि का विकास होगा। कोसी-मेची के दोआब में 2.15 लाख हेक्टेयर क्षेत्र पर अतिरिक्त सिंचाई होने लगेगी। इस लिंक के निर्माण के बाद अररिया (69 हजार हेक्टेयर), किशनगंज (39 हजार हेक्टेयर), पूर्णिया (69 हजार हेक्टेयर) और कटिहार (35 हजार हेक्टेयर) जिले में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा मिलने लगेगी। बाढ़ की समस्या के स्थायी हल होने का सपना भी देखा जाने लगा है। इस योजना के क्रियान्वयन से कृषि उपज में वृद्धि होने की आशा व्यक्त की जा रही है और इससे बिहार के एक बड़े क्षेत्र में रोजगार की संभावना बढ़ेगी।

अगर हम लागत की बात करें, तो इस योजना की शुरू में लागत 2,900 करोड़ रुपये थी, जो बिहार सरकार को अंतिम रिपोर्ट मिलने तक 4,900 करोड़ रुपये हो गई थी। अब इसकी लागत को लगभग 6,300 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। केंद्र का सुझाव है कि अपनी तरफ से कुल लागत का 60 प्रतिशत केंद्र वहन करेगा और 40 प्रतिशत खर्च राज्य को करना होगा। बिहार का कहना है कि केंद्र 90 प्रतिशत राशि का सहयोग करे। खैर, खर्च संबंधी समझौता जल्दी होने की उम्मीद की जा सकती है।

ध्यान रहे, इस योजना में पूर्वी कोसी मुख्य नहर (लंबाई 41.30 किलोमीटर) को 76.2 किलोमीटर बढ़ाकर मेची नदी में मिला दिया जाएगा, जिससे कोसी के प्रवाह को थोड़ा घटाने का लाभ मिलेगा। नहर के अंत में मेची नदी में केवल 27 क्यूसेक पानी ही दिया जा सकेगा। यह रिपोर्ट मानकर चलती है कि कोसी और मेची में एक साथ बाढ़ शायद नहीं आएगी, योजना बनाने वाले विद्वानों ने इस पर जरूर विचार किया होगा। यहां यह बता देना सामयिक होगा कि बराहक्षेत्र बांध का प्रस्ताव पहली बार आज से 87 साल पहले 1937 में किया गया था और इस पर अनुसंधान अभी भी जारी है। दीगर है कि 22 सितंबर, 1954 को बिहार विधानसभा में एप्रोप्रिएशन बिल पर चल रही बहस में भाग लेते हुए अनुग्रह नारायण सिंह ने कहा था, 'अभी दो-तीन वर्षों से इसकी जांच हो रही थी कि कोसी नदी पर एक बांध बांधा जाए, जो 700 फुट ऊंचा होगा...। जांच से मालूम हुआ कि इस बांध से 26 मील (42 वर्ग किलोमीटर) की एक झील बनेगी, जिसमें कोसी का पानी जमा होगा और पानी जमा होने से बाढ़ नहीं आएगी, ...लेकिन यह भी विचार किया गया कि अगर वह 700 फुट का बांध फट जाए, तो सारा बिहार और बंगाल बह जाएगा।' कुछ इसी तरह की बात लोकसभा में बराहक्षेत्र बांध का नाम लेकर एन वी गाडगिल ने 11 सितंबर, 1954 को कही थी। हम उम्मीद करते हैं कि सरकार ने इन बयानों का संज्ञान जरूर लिया होगा।

यह लिंक नहर संबंधी रिपोर्ट यह भी सुझाव देती है कि विस्थापितों का पुनर्वास प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए। हमें इस बात का दुख है कि कोसी परियोजना का काम 14 जनवरी, 1955 के दिन शुरू किया गया था और पुनर्वास का काम आज तक पूरा नहीं हुआ। हमें विश्वास रखना चाहिए कि लोगों को इस बार शिकायत का मौका नहीं दिया जाएगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

दो बच्चों की बाध्यता से आगे बढ़े चंद्रबाबू

एस. श्रीनिवासन, वरिष्ठ पत्रकार

आंध्र प्रदेश ने स्थानीय निकाय चुनावों में लड़ने के लिए दो बच्चों की बाध्यता संबंधी नियम को खत्म करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू का यह निर्णय उत्तर भारतीय राज्यों के विपरीत है, जहां पर जनसंख्या दर कम करने के लिए दो या एक बच्चे का प्रावधान लागू करने की मांग होती रही है। मुमकिन है, आने वाले दिनों में कई और दक्षिणी राज्य आंध्र प्रदेश के नक्शेकदम पर चल पड़ें, क्योंकि वे भी अपने यहां कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। इनमें एक बड़ा मुद्दा तो परिसीमन पर रोक से जुड़ा है, जिसकी समय-सीमा साल 2026 में खत्म हो रही है। इसके कारण दक्षिण में संसदीय सीटों की संख्या में प्रभावी कमी आ सकती है। दूसरा, दक्षिण भारतीय राज्यों को यह भी लगता है कि केंद्रीय निधि में उनका हिस्सा कम हो सकता है। चूंकि ये दोनों मसले जनसंख्या से जुड़े हुए हैं, इसलिए आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल जैसे तमाम दक्षिणी राज्यों को लगता है कि उन्हें अपनी आबादी को नियंत्रित करने के कारण 'दंडित' और 'सुविधाओं से महरूम' किया जा रहा है।

एक अन्य कारक दक्षिणी राज्यों की बदलती जन-सांख्यिकी है। दक्षिणी राज्यों में उत्तर भारत की तुलना में कम प्रजनन दर है। मसलन, देश की औसत प्रजनन दर (प्रति महिला संतानोत्पत्ति) 2.11 है, जबकि आंध्र प्रदेश में यह 1.5 है, और केरल एवं तमिलनाडु में भी करीब-करीब इतनी ही या इससे भी कम है। मुख्यमंत्री नायडू की चिंता है कि कम प्रजनन दर से उत्पादक आबादी में कमी आ सकती है, जो अन्यथा राज्य के आर्थिक विकास में योगदान करती। साफ है, अन्य दक्षिणी सूबों की तरह आंध्र प्रदेश भी तेजी से बूढ़ा हो रहा है। यहां 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों का प्रतिशत 11 प्रतिशत है, जो 2047 तक 19 फीसदी हो सकता है। इसके बरअक्स राष्ट्रीय औसत 10 प्रतिशत है, जो 2047 तक बढ़कर 15 फीसदी हो सकता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) द्वारा लगाए गए जनसंख्या अनुमान के मुताबिक, 2011 में जहां बिहार और उत्तर प्रदेश की आबादी की औसत आयु क्रमशः 19.9 और 21.5 वर्ष थी, तमिलनाडु और केरल में यह आंकड़ा क्रमशः 29.9 और 31.9 था। 2036 तक बिहार और उत्तर प्रदेश की औसत आयु बढ़कर क्रमशः 28.1 और 31.7 वर्ष होने का अनुमान है, जबकि तमिलनाडु और केरल में यह आंकड़ा बढ़कर क्रमशः 40.5 और 39.6 साल हो सकता है।

अभी भारत दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला देश है, जिसकी अनुमानित जनसंख्या 1.44 अरब है। यह देश के लिए लाभदायक स्थिति है, क्योंकि हमारी आबादी दुनिया में सबसे युवा है। साल 2022 में भारत की औसत आयु 28 साल थी, जबकि चीन व अमेरिका की 37, पश्चिमी यूरोप की 45 और जापान की 49 वर्ष थी। अर्थशास्त्री इसे जन-सांख्यिकीय लाभांश कहते हैं। इसे देश के आर्थिक लाभ के लिए फायदेमंद माना जाता है, जब कामकाजी आयु वर्ग (15 से 64 साल तक की आबादी) की हिस्सेदारी गैर-कामकाजी वर्ग से अधिक होती है। मगर यह लाभ हमेशा के लिए नहीं बना रह सकता, अनुमान है कि 2040 तक तस्वीर बदल जाएगी और औसत कामकाजी आयु-वर्ग की आबादी कम होने लगेगी।

दिलचस्प है कि अपने यहां जनसांख्यिकीय बदलाव भी पूरे देश में समान नहीं है। केरल जहां तेजी से बूढ़ा हो रहा है, तो वहीं बिहार 2051 में चरम स्थिति पर पहुंचेगा। माना जाता है कि 2031 तक 22 बड़े राज्यों में से कम से कम 11 बुजुर्ग हो जाएंगे, लेकिन उत्तर भारत में कामकाजी आबादी की स्तर ऊंचा बना रहेगा, जिसकी वजह है, जन्म-दर में तेज गिरावट। वास्तव में, जनसंख्या कोई समस्या नहीं होती, बशर्ते सरकार कामकाजी आबादी को रोजगार देने में सक्षम हो। अभी जन्म-दर में तेज गिरावट के कारण भारत में कामकाजी आयु-वर्ग की आबादी बढ़ रही है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के पांचवें दौर (2019-21) के सर्वे के मुताबिक, भारत की प्रजनन दर दो है, जबकि पहले दौर (1992-93) में यह आंकड़ा 3.4 था। मौजूदा प्रजनन दर प्रतिस्थापन दर (बच्चों की वह संख्या, जो एक दंपति अपने प्रजनन वर्षों के दौरान स्वयं को प्रतिस्थापित करने के लिए पैदा करती है) से कम है, जो 2.1 है। इसका अर्थ है कि भारत में औसतन एक जोड़ा अपने प्रतिस्थापन से कम बच्चे पैदा कर रहा है।

यह तस्वीर भी पूरे देश में एक समान नहीं है। दक्षिणी राज्य जहां तेजी से बुजुर्गियत का सामना कर रहे हैं और यहां प्रतिस्थापन दर भी 1.5 है, वहीं उत्तर भारत के राज्यों में यह अधिक है। उच्च प्रजनन दर वाले सात राज्य हैं- बिहार (3.6), मध्य प्रदेश (3.1) राजस्थान (3), झारखंड (2.9) व असम (2.4)। इस राज्यवार भिन्नता का अर्थ है कि अलग-अलग राज्यों के लिए अलग-अलग समय में जन-सांख्यिकीय लाभांश उपलब्ध होगा। यही कारण है कि आंध्र प्रदेश जैसे राज्य नीतिगत बदलावों के जरिये अपनी कामकाजी आबादी के स्तर को सुधारने का प्रयास कर रहे हैं।

जनसंख्या का रुझान पूरे देश में एक जैसा नहीं है। शिक्षित और संपन्न लोगों की तुलना में गरीबों में वृद्धि दर अधिक है। बिहार बहुआयामी गरीबी से जूझ रहा है, इसलिए भले ही जन-सांख्यिकी के लिहाज से यह सबसे युवा हो, लेकिन इसका फायदा उठाने के लिए पर्याप्त शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का यहां अभाव है। राजनेता इस पर ध्यान देने के बजाय सांप्रदायिक मुद्दों को उभारने की कोशिशों में लगे रहते हैं। कोई मुख्यमंत्री मुसलमानों को अपनी जनसंख्या नियंत्रित करने को कह रहा है, तो कोई पूर्व सांसद देश भर में दो बच्चों की नीति की वकालत करते हुए बांग्लादेशी व रोहिंग्या को भारत के संसाधनों पर बोझ बता रहा है। जबकि, हकीकत यही है कि जनसंख्या के मामले में बांग्लादेश की स्थिति हमसे अच्छी है, क्योंकि वहां कुल प्रजनन दर 1.98 है।

राजनेता मुसलमानों को निशाना बनाकर गैर-जिम्मेदाराना बयान देते रहते हैं, लेकिन असलियत में इस समुदाय की जनसंख्या वृद्धि दर तेजी से घट रही है। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाई कुरैशी के अनुसार, साल 2001-2011 के दशक में हिंदुओं की वृद्धि दर 19.2 प्रतिशत से गिरकर 16.76 प्रतिशत हो गई, वहीं मुसलमानों की वृद्धि दर 29.42 प्रतिशत से गिरकर 14.6 प्रतिशत हो गई। जाहिर है, समुदाय विशेष के प्रति खौफ दिखाने के बजाय राजनेताओं को अपने लोगों के स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार लाने वाली नीतियों पर ध्यान देना चाहिए। जब तक ऐसा नहीं किया जाता, तब तक भारत का विकासशील से विकसित राष्ट्र बनना सपना ही बना रहेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पेरिस ओलंपिक : छह पदक पाकर खुश हैं हम!

आदर्श प्रकाश सिंह

पेरिस में ओलंपिक खेलों का समापन हो गया है। भारत के लिहाज से 2024 का यह ओलंपिक खट्टी मीठी यादों वाला कहा जाएगा। देशवासी उम्मीद जता रहे थे कि भारत इस बार दहाई के अंक तक पदक हासिल करेगा। यानी पिछले टोक्यो ओलंपिक में सात पदक से ज्यादा हम पेरिस में जीतेंगे। मगर, अनुमान और भविष्यवाणी हमेशा सही साबित नहीं होते हैं। सबसे बड़ी निराशा तो यह कि हमारे किसी खिलाड़ी अथवा एथलीट ने स्वर्ण पदक नहीं जीता। यह किसी दुर्भाग्य से कम नहीं है। इस कारण पदक तालिका में भारत काफी नीचे 69 वें स्थान पर रहा। एक भी स्वर्ण पदक मिल जाता तो हम थोड़ा ऊपर दिख जाते। भाला फेंक में नीरज चोपड़ा से स्वर्ण की पूरी उम्मीद थी लेकिन वह भी रजत पदक ही ला सके। इस प्रतियांगिता का स्वर्ण पदक पाकिस्तान के अरशद नदीम के नाम रहा। इस वजह से पाकिस्तान एक स्वर्ण पदक लेकर पदक तालिका में भारत से ऊपर हो गया।

भारत को कुल छह पदक मिले जिनमें से एक रजत और पांच कांस्य पदक शामिल हैं। इसमें हॉकी टीम को मिला कांस्य पदक भी है। हालांकि, पेरिस में भारतीय हॉकी टीम ने स्वर्ण के लिए पूरा जोर लगाया। पर, सेमीफाइनल मुकाबले में जर्मनी से पराजित होने के बाद यह आस भी टूट गई। वर्ष 1980 के मास्को ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारत अभी तक इससे वंचित है। संतोष इसी बात का है कि लगातार दो ओलंपिक टोक्यो और पेरिस में हमारी टीम ने तीसरे स्थान पर रह कर कांस्य पदक हासिल कर लिया। खाली हाथ लौटने से बेहतर है कि कुछ मिल गया। इसमें कोई शक नहीं कि पूरी भारतीय टीम ने बहुत अच्छी हॉकी खेली। ओलंपिक में 52 साल के बाद ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को हराया। इससे देश भर को सोने की उम्मीद बन गई थी। गोलकीपर पीआर श्रीजेश की जितनी भी तारीफकी जाए कम है। इस खिलाड़ी ने न जाने कितने गोल बचा कर भारत की जीत में योगदान दिया। यह उनका आखिरी टूर्नामेंट था। चार ओलंपिक खेल चुके श्रीजेश ने अब संन्यास ले लिया है। कसक यह रह गई कि स्वर्ण पदक से उनकी विदाई नहीं हो सकी।

निशानेबाजी में मनु भाकर ने दो पदक जीत कर इतिहास रच दिया। तीसरे पदक से वह चूक गई वर्ना भारत के खाते में एक और पदक जुड़ जाता। पूरा देश आज हरियाणा की इस लड़की पर नाज कर रहा है। भाकर ने शूटिंग में व्यक्तिगत रूप से तो कांस्य जीता ही, सरबजोत के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल की मिक्स्ड स्पर्धा में भी यही सफलता दोहरा दिया। इस स्पर्धा में एक और कांस्य पदक महाराष्ट्र के स्वप्निल कुसाले ने दिलाया। इस तरह भारत को तीन कांस्य पदक तो शूटिंग में ही प्राप्त हो गए।

महिला पहलवान विनेश फोगाट के साथ हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने इस ओलंपिक में भारत को बड़ा सदमा दे दिया। पूरा देश इस घटना से हैरान-परेशान है। वह फाइनल मुकाबले से पहले अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहरा दी गई वर्ना एक पदक तो मिलना तय ही था। विनेश ने बड़ी बहादुरी से फाइनल तक का सफर पूरा किया था। मगर, भाग्य ने उसका साथ नहीं दिया। अब उसका मामला खेल पंचाट के सामने है। जिसका निर्णय अब 13 अगस्त को आएगा। विनेश का दावा है कि उसे रजत पदक दिया जाना चाहिए। देश के जाने माने अधिवक्ता हरीश साल्वे ने भी उसकी तरफ से केस लड़ा है। देखना है कि निर्णय क्या आता है। इस बीच विनेश ने कुश्ती से संन्यास का ऐलान भी कर दिया है।

कुश्ती में एकमात्र पुरुष पहलवान अमन सेहरावत ने पहली बार ओलंपिक में भाग लिया और उसने कांस्य पदक जीत कर देश की लाज रख ली। 21 साल के अमन ओलंपिक में पदक जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी रहे। अन्य महिला पहलवानो को कोई पदक नहीं मिला। आखिरी दिन रितिका हुड्डा ने थोड़ी आस जगाई लेकिन क्वार्टर फाइनल में दमखम दिखाने के बाद वह शीर्ष वरीयता प्राप्त किर्गिस्तान की पहलवान से हार गई। उधर, निशा दहिया 68 किलोग्राम वर्ग में चोट के कारण जीता हुआ क्वार्टर फाइनल मैच अंतिम 33 सेकंड में 10-8 से हार गईं। हार के बाद निशा की आंखों से आंसू निकल आए।

भारत के कई खिलाड़ी पदक से इसलिए भी चूक गए क्योंकि वे चौथे स्थान पर रहे। आठ खिलाड़ियों ने मामूली अंकों के साथ तीसरे पर न आकर चौथा स्थान हासिल किया। यदि ये तीसरे नंबर पर आ जाते तो कम से कम कांस्य पदक तो मिल ही जाता। इनमें मनु भाकर, मीरा बाई चानू, दीपिका कुमारी, पीवी सिंधू आदि कुछ नाम शामिल हैं। मुक्केबाजी में देश को कोई पदक नहीं मिला। निकहत जरीन से निराश किया। वहीं, टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बारेगेहान सेमीफाइनल में पराजित हो गई।

यही हाल बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन का रहा। वह निश्चित रूप से पदक जीतने के करीब थे। मगर, दुर्भाग्य से इससे वंचित रह गए। सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद पदक की उम्मीद बन जाती है। कांस्य पदक के लिए प्ले ऑफ के मैच में दुनिया के 22वें नंबर के शटलर लक्ष्य ने बढ़त गंवा दी। मलेशिया के ली जिया ने उन्हें हरा दिया। पीवी सिंधू दो ओलंपिक रियो और टोक्यो में पदक जीत चुकी हैं। लेकिन पेरिस से उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा।

भारतीय एथलीट अविनाश साबले ने पुरुष 3000 मीटर के स्टीपलचेज स्पर्धा में फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया। उनसे भी पदक की उम्मीद बन गई थी। मगर, बाद में उन्होंने भी निराश किया।

(ये लेखक के विचार हैं)

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

जिला चिकित्सालय में पहली बार आपरेशन से एक साथ तीन जुड़वा बच्चे का जन्म

दुर्ग। जिला चिकित्सालय में पहली बार आपरेशन से एक साथ तीन जुड़वा बच्चों का जन्म हुआ है। रक्षाबंधन के ठीक पहले एक भाई को मिला है तीन बहनो का प्यार। जिला चिकित्सालय के अंतर्गत मातृत्व और शिशु विभाग में मंगलवार को डिलेवरी केस में ऑपरेशन से तीन जुड़वा बच्चे की डिलेवरी डा.विनीता ध्रुव और उनकी टीम के द्वारा किया गया। जिसमे एनास्थेटिक डा. बसंत चौरसिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इन तीन जुड़वा बच्चों में सभी कन्या है। बता दे कि कोरोना काल में भी जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों का सक्रिय जुझारू और उल्लेखनीय योगदान रहा। डा.विनीता ध्रुव द्वारा 100 से अधिक जुड़वा बच्चों की डिलेवरी का रिकॉर्ड बना चुकी हैं। उनके द्वारा कई जटिल ऑपरेशन भी सभी चिकित्सकों एवम् कुशल टीम द्वारा सफल संचालित हो रहे हैं । जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ हेमंत साहू एवम् जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर और मानद सदस्य प्रशांत डोंगावकर द्वारा चिकित्सकों के इस सफलता पर बधाई दी है।

निःस्वार्थ स्वच्छता अभियान सराहनीय - महापौर

रिसाली। स्वच्छता के लिए जागरूक करने के अलावा स्वयं टीम तैयार कर मैदान में श्रमदान कर लोगों को प्रेरित करना बड़ी बात है। उक्त बाते रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने कही। वे स्वच्छता ही सेवा समिति के 332 सप्ताह के तहत वार्ड 10 लड्डू गणेश मैदान सफाई अभियान में शामिल हुई। महापौर शशि सिन्हा ने कहा कि संस्था 6 वर्ष से निःस्वार्थ सेवा कर रही है। समाज को सेवा करने प्रोत्साहित कर रही है। यही वजह है कि वो भी इस संस्था से जुड़ी है। महापौर के साथ पार्षद जमुना ठाकुर ने सदस्यों के साथ मिलकर मैदान में ऊगे गाजर घास और खरपतवार को निकालकर सफाई की। कार्यक्रम में पार्षद संजू नेताम, संस्था के संयोजक प्रेमचंद साहू, अशोक सिन्हा, फक्कीर राम ठाकुर समेत 25 से भी अधिक लोगों ने श्रमदान किया।

बीएसपी के निःशुल्क चिकित्सा शिविर से लाभान्वित हुए लोग

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वाधान में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों एवं खदान क्षेत्रों में किया जाता है। इसी कड़ी में 13 अगस्त 2024 को ग्राम खपरी में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। फार्मासिस्ट सुशन जैकब, पंजीयन हेतु शम्भू दयाल तथा सीएसआर विभाग से रजनी रजक उपस्थित थी।

मुख्य सड़कों से पशुओं को हटाने गतिविधियां सतत् चलती रहे - कलेक्टर

- रेडियम बेल्ट निकालने वाले पशुपालकों पर करें कार्यवाही
- जनसमस्या निवारण शिविर में प्राप्त शिकायतों का हो सकारात्मक निराकरण
- विभागों द्वारा अधिग्रहित शासकीय जमीन अपने नाम कराये विभाग

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने सड़कों में विचरण करने वाले पशुओं के कारण दुर्घटनाओं की संभावना को ध्यान में रखते हुए नगरीय निकायों के अधिकारियों से कहा है कि जिले के मुख्य सड़कों से पशुओं को हटाने संबंधी गतिविधियां निकायों में सतत् चलती रहे। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी क्षेत्र भ्रमण के दौरान मुख्य सड़कों में पशुओं की जमावड़ा होने पर संबंधित निकायों के अधिकारी को सूचित करना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने कहा कि संबंधित नगर निगम कमिश्नर, एसडीएम, जनपद सीइओ एवं सीएमओ मुख्य सड़कों से पशुओं को हटाने में आने वाले समस्याओं के संबंध में समीक्षा करें। साथ ही ऐसे पशुओं को गौशालाओं एवं कांजी हाऊस में रखी जाए। यहां पर पशुओं के लिए जनसहयोग से चारे-पानी की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पशुचिकित्सा विभाग के अधिकारियों को गौशाला और कांजी हाऊस का नियमित भ्रमण कर पशुओं के लिए चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने निर्देशित किया। इसी प्रकार पशु चिकित्सा विभाग द्वारा पशुओं की गले में पहनायी गई रेडियम बेल्ट को निकालने वाले पशुपालकों पर कार्रवाई करने नगरीय निकायों के अधिकारियों को निर्देशित किया।

कलेक्टर सुश्री चौधरी ने आज अधिकारियों की बैठक में विभागवार समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा की। साथ ही मुख्यमंत्री जनदर्शन, पीजीएन और कलेक्टर जनदर्शन व सार्थ-ई एप के लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ निराकृत करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर के दौरान प्राप्त शिकायतों का सकारात्मक निराकरण हो। गंभीर शिकायतों पर टीम गठित कर निराकरण की कार्यवाही सुनिश्चित किया जाए। शहरी क्षेत्रों में सफाई, बिजली, पानी की व्यवस्था संबंधी शिकायतें शीघ्र निराकृत किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को स्वच्छ सर्वेक्षण और डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन पर विशेष फोकस करने कहा। कलेक्टर ने मानसून के दौरान विभागों द्वारा रोपित पौधे की जानकारी ली तथा विभागों को निर्धारित लक्ष्य के मुताबित पौधरोपण का कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने विभागों द्वारा अधिग्रहित एवं उपयोग में लायी जा रही शासकीय जमीन का विभाग के नाम पर रजिस्ट्री करा लेने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में एडीएम अरविन्द एक्का, नगर निगम भिलाई के आयुक्त देवेश ध्रुव, सहायक कलेक्टर एम. भार्गव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अश्वनी देवांगन, नगर निगम रिसाली के आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, नगर निगम भिलाई चरोदा के आयुक्त दशरथ राजपूत, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी एवं विजेन्द्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द मिश्रा, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय शर्मा, जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों का अंतिम रिहर्सल

दुर्ग। जिला मुख्यालय दुर्ग में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस नगर की गरिमा के अनुरूप हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। आयोजन स्थल पुलिस ग्राउंड में आज तैयारियों की अंतिम रिहर्सल की गई। नगर निगम भिलाई आयुक्त देवेश ध्रुव ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस मुख्य समारोह स्थल पुलिस ग्राउंड में प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण कर परेड का निरीक्षण कर उपस्थित जनों का अभिवादन किया। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी और पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला भी साथ मौजूद थे।

ध्वजारोहण पश्चात् परेड की टुकड़ियों द्वारा जन-गण-मन की धुन पर हर्ष फायर व राष्ट्रपति के जय जयकार किया गया। प्लाटून कमांडरों के नेतृत्व में परेड की टुकड़ियां मंच के सामने से गुजरते हुए मुख्य अतिथि को सलामी दी। रिहर्सल के दौरान नगर के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस दौरान आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा पुलिस परेड ग्राउण्ड से पटेल चौक पर समाप्त हुई। इस अवसर पर एडीएम अरविंद एक्का, जिला पंचायत सीईओ अश्वनी देवांगन, संयुक्त कलेक्टर मुकेश रावटे, एसडीएम हरवंश सिंह मिरी, जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द मिश्रा सहित बड़ी संख्या में स्कूल के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

रिसाली की महिलाएं तिरंगा लेकर घरों में दे रही दस्तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। राष्ट्रव्यापी तिरंगा अभियान में रिसाली एन.यू.एन.एल.एम. की महिलाएं राष्ट्रीय ध्वज लेकर घर-घर दस्तक दे रही है। वे झंडा देकर 15 अगस्त को घरों पर तिरंगा लगाने की अपील कर रही है। आयुक्त मोनिका वर्मा के मार्गदर्शन में डुण्डेरा मीडिल स्कूल के बच्चों ने भी रैली निकालकर घर-घर तिरंगा लगाने नारे भी लगाएं।

स्वतंत्रता दिवस के पहले ही रिसाली निगम क्षेत्र के घरों में तिरंगा लहराने लगा है। पिछले तीन दिनों से आजीविका मिशन रिसाली की सी.आर.पी. महिला सदस्यों को लेकर घरों तक पहुंच रही है। इसके अलावा शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय डुण्डेरा के बच्चों ने भी रैली निकाली। रैली में सी.आर.एस. पिंकी सिंह, प्रीति साह और स्टेशन मरोद क्षेत्र में बसंती साहू और रेवती तांडी सिटि मिशन मैनेजर अरूणा धृतलहरे, आइरा आनंद, सहायक परियोजना अधिकारी सुरेश देवांगन, सी.ओ. लता महानंद, कुंजेश्वरी साहू विशेष रूप से उपस्थित थी।

पार्षद भी कर रहे तिरंगा वितरण

आयुक्त मोनिका वर्मा ने रिसाली निगम के पार्षदों को भी झंडा वितरण कराया है। मुख्य कार्यालय से वार्ड मेंबर राष्ट्रीय ध्वज लेकर वार्ड के नागरिकों को उपलब्ध करा रहे है। वहीं नागरिकों से अपील कर रहे है कि वे 15 अगस्त को घरों में तिरंगा अवश्य लहराए।

विधायक सेन पहुंचे प्रधानमंत्री आवास योजना की लॉटरी पद्धति देखने

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय परिसर में मंगलवार को सुबह 11:00 बजे से आवास आबंटन लॉटरी पद्धति से किया जा रहा था। वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन औचक रूप से लॉटरी पद्धति से किये जा रहे आबंटन प्रक्रिया को देखने पहुंचे। हितग्राहियो द्वारा 10 प्रतिशत अंशदान राशि जमा कर चुके थे।

वे हितग्राही अपने क्षेत्र के मकान के ड्रा मे शामिल हो रहे थे। एक-एक करके सबका नाम पुकारा जा रहा था, हितग्राही स्वयं आकर अपने हाथो से डब्बे में से पर्ची निकाल रहे थे। जिसके भाग्य में जो मकान की पर्ची निकलती थी, वो उसे प्रदान कर दिया जा रहा था। विधयाक

रिकेश सेन ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की बहुत ही महत्वकांक्षी योजना है। हर गरीब को मकान मिले उसके सर पर पक्का छत हो। गरीबो के बारे में निकटता से सोचने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिये।

उन्होने कहा रहने के लिए घर, इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड, राशन के लिए राशन कार्ड, बहनो को खर्चा करने के लिए महतारी वंदन योजना, बुर्जुगो के लिए सामाजिक सुरक्षा पेशन योजना, रोजगार करने वालो के लिए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना इत्यादि तमाम प्रकार के जनकल्याणकारी योजनाएँ नागरिको के कल्याण के लिए चलायी जा रही है। नगर निगम भिलाई में चिन्हित स्थल पर कुल 1003 आवासो में से कृष्णा इंजीनियरिंक के पीछे खम्हरिया के 43 मकान, अविनाश मेट्रोपॉलिश के 1 मकान, एनार स्टेट खम्हरिया के 18 मकान, माईल स्टोन स्कूल के पास 4 मकान, स्वप्निल बिल्डर्स कुरूद के 1 मकान एवं आम्रपाली वनांचल सिटी हाउसिंग बोर्ड के 1 मकान का आबंटन किया गया है। जिसमें वरिष्ठजन, दिव्यांगजन व आरक्षित हितग्राही को भूतल के मकान का आबंटन किया गया है। हितग्राही अपने शेष 90 प्रतिशत राशि जमा करके शीघ्र मकान प्राप्त कर सकते है।

विधायक चंद्राकर ने छात्राओं को किया साईकिल वितरण, बच्चों के चेहरे में दिखी खुशी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के द्वारा शिक्षा को आगे बढ़ाने , साथ ही साथ प्रदेश की कन्याओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे लाने के लिए सरस्वती साइकिल योजना के तहत स्कूलों में छात्राओं को साइकिल का वितरण करवा रहे है ।

इसी क्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के द्वारा 11 जुलाई सोमवार को सरस्वती सायकल योजना के तहत दुर्ग ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चंदखुरी में नवमी कक्षा के छात्राओं को सायकल वितरण किया गया।

इस अवसर पर प्रिंसिपल शिखा मिश्रा , वाईस प्रिंसिपल रश्मि पाठक , सी एल चन्द्राकर , मिलापा बाई चन्द्राकर , वीरेन्द्र चन्द्राकर , सरोज चन्द्राकर , यशवंत चन्द्राकर , मीना चन्द्राकर , डॉ कमलेश चन्द्राकर , डॉ मनीषा चन्द्राकर , महेंद्र चन्द्राकर , सुनीता चन्द्राकर , शिव कुमार चन्द्राकर , रेणुका चन्द्राकर , पूर्व सरपंच राजेंद्र चन्द्राकर , प्रदीप चन्द्राकर आदि संग समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्रा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का प्रारंभ विधिवत् पूजा अर्चना के साथ किया गया मुख्य अतिथि का शाला परिवार की ओर से स्वागत अभिनंदन किया गया। स्वागत भाषण में संस्था प्रमुख प्रिंसिपल शिखा मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए निःशुल्क सरस्वती साइकिल वितरण योजना के संबंध में बच्चो व पलको को जानकारी प्रदान की। संस्था में दूर - दराज गांवों की बालिकाएं अध्ययन करने आती है उन्हें अब स्कूल आने - जाने में सहूलियत होगी। अब उन्हें स्कूल आने -जाने में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होगी। इससे बालिका शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। बच्चों को अपनी शुभकामनाएं प्रदान करते हुए दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि राज्य शासन की महती योजना अंतर्गत निःशुल्क साइकिल वितरण से बालिकाएं अब अधिक आत्मविश्वास,आत्मनिर्भरता,उत्साह के साथ स्कूल आना जाना कर सकेगी।

बीएसपी द्वारा विभिन्न विभागों, बीएसपी शालाओं एवं शालेय छात्र, छात्राओं को किया जा रहा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा का वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग (सीएसआर) द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत, देश के 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत 5000 से भी अधिक राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा का वितरण किया जा रहा है। संस्कृति मंत्रालय, इस्पात मंत्रालय, बीएसपी-सीएसआर के निर्देशों के तहत स्वतंत्रता दिवस और हर घर तिरंगा अभियान के उपलक्ष्य में भारतीय डाक विभाग से 5000 राष्ट्रीय ध्वज खरीदे गए। इसे आगे वितरण के लिए विभिन्न विभागों को वितरित किया गया।

इस अभियान के तहत प्रत्येक नागरिक को अपने घर पर तिरंगा फहराने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। पिछले साल भी भारत सरकार द्वारा 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया गया था।

राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा का वितरण संयंत्र के विभिन्न विभागों व विद्यालयों में किया जा रहा है। जिसके तहत आज 13 अगस्त को 2024 को सीएसआर विभाग द्वारा, रावघाट में 200, राजहरा/आईओसी में 700, नंदिनी खदान समूह में 100, हिर्री माइंस में 100, केटीआर में 100, शिक्षा विभाग में 1500, भिलाई इस्पात विकास विद्यालय (बी.आई.वी.वी) में 1500, नगर सेवाएं विभाग (टीएसडी) में 100, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग में 100, सी आई एस एफ में 100, आईएस एवं सीएलसी में 100 तथा अग्निशमन सेवाएँ विभाग में 100 राष्ट्रीय ध्वज का वितरण किया गया है। इस तरह शिक्षा विभाग में कुल 3000 राष्ट्रीय ध्वज वितरित किया गया। साथ ही रावघाट माइंस में 200, राजहरा माइंस, हिर्री माइन्स एवं नंदनी माइंस में कुल 1000 राष्ट्रीय ध्वज वितरित किया गया। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य विभाग, सीआईएसएफ आईआर एवं सीएलसी, अग्निशमन विभाग व ऑफिसर्स एसोसिएशन आदि विभागों में 100-100 तिरंगे का वितरण किया गया।

इसी कड़ी में भिलाई इस्पात विकास विद्यालय के छात्र/छात्राओं तथा स्टाफ को भी राष्ट्रीय ध्वज वितरित किया गया। साथ ही कर्मचारियों को राष्ट्रीय ध्वज के वितरण हेतु, चिकित्सा विभाग को भी निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा राष्ट्रीय ध्वज सौंपा गया। हर घर तिरंगा अभियान के अनुपालन में, सेल-बीएसपी के निदेशक प्रभारी संयंत्र के कार्यपालक निदेशकों सहित इस्पात बिरादरी के वरिष्ठ अधिकारियों के आवासों में भी राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' लहरा रहा है। इसके अतिरिक्त बीएसपी के अधिकारियों, कर्मचारियों और अन्य सदस्यों के आवासों के लिए भी राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा का वितरण किया गया है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

अग्रवाल महिला मंडल ने प्रेस क्लब को भेंट किया वाटर फिल्टर

रायपुर। अग्रवाल महिला मंडल ने मंगलवार को रायपुर प्रेस के कोषाध्यक्ष रमन हलवाई व पत्रकारों की मौजूदगी में वाटर फिल्टर प्रेस क्लब को भेंट किया। इस अवसर पर महिला मंडल प्रभारी कैलाश मुरारका, सुभाष अग्रवाल, महिला मंडल अध्यक्ष माया मुरारका, महामंत्री ममता अग्रवाल, उपाध्यक्ष राज अग्रवाल, मंत्री संजू अग्रवाल, प्रचार प्रसार मंत्री ज्योति अग्रवाल, रामसागर पारा मोहल्ले की संयोजिका बॉबी जैन, कचना विधानसभा सह संयोजिका नीलम अग्रवाल, पत्रकार सुधीर आजाद तंबोली, फोटो जर्नलिस्ट दीपक सोनी, पवन सिन्हा, नदीम मेनन, रविशंकर पांडेय, शेख आबिद के साथ अन्य पत्रकार उपस्थित थे। प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर, महासचिव डॉ. वैभव शिव पाण्डेय, उपाध्यक्ष संदीप शुक्ला, कोषाध्यक्ष रमन हलवाई, संयुक्त सचिव तृप्ति सोनी, अरविंद सोनवानी ने रायपुर प्रेस क्लब के सभी सदस्यों की ओर से अग्रवाल महिला मंडल का आभार व्यक्त किया।

अपेक्स बैंक व जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों के 30 प्रतिभागी हुए शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ सहकारी प्रशिक्षण संस्थान में को-ऑपरेटिव्ह बैंको में कृषि ऋण वितरण की प्रक्रिया, वसूली एवं सावधानियां, केवाईसी, सीटीआर (करेंसी ट्रांजेक्शन रिपोर्ट), एसटीआर (सस्पेसियस एक्टिविटी रिपोर्ट) तथा मनी लांड्रिंग पर आधारित एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम राजधानी रायपुर के पंडरी स्थित प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित की गई थी। इस प्रशिक्षण में अपेक्स बैंक तथा जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों के 30 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ अपेक्स बैंक के महाप्रबंधक युगल किशोर तथा अपेक्स बैंक डीजीएम व प्रशिक्षण संस्थान के डायरेक्टर भूपेश चंद्रवंशी ने किया।

इस प्रशिक्षण सत्र में ग्रामीण बैंक के विषय विशेषज्ञ सेवानिवृत्त चीफ मैनेजर एस सी दास एवं ग्रामीण बैंक के सेवानिवृत्त चीफ मैनेजर एसएस परिहार ने प्रशिक्षणार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर अपेक्स बैंक एजीएम व शाखा प्रबंधक पंडरी अजय भगत, प्रशिक्षण संस्थान के उप निदेशक एके लहरे, प्रशासकीय अधिकारी विमल सिंह तथा प्रतिभागी उपस्थित थे।

प्रदेशभर से आमंत्रित विशिष्ट नागरिक, वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राएं, व बड़ी संख्या में आम दर्शक होंगे शामिल

स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए रायपुर पुलिस ने बनाया मार्ग-पार्किंग प्लान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 15 अगस्त को राजधानी के पुलिस परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ध्वजारोहण करेंगे और परेड की सलामी लेंगे। इस महत्वपूर्ण आयोजन में प्रदेशभर से आमंत्रित विशिष्ट नागरिक, वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राएं, और बड़ी संख्या में आम दर्शक शामिल होंगे। इस अवसर पर यातायात पुलिस रायपुर ने परेड ग्राउंड आने वाले दर्शकों के सुगम आवागमन के लिए मार्ग और पार्किंग की विशेष व्यवस्था की है।

पार्किंग व्यवस्था

लाल कार पास धारक वाहन

जिन आमंत्रित अतिथियों के पास लाल वाहन पास है, वे अपने वाहन से PWD चौक - छत्तीसगढ़ कॉलेज चौक - कुंदन पैलेस - PWD कॉलोनी होते हुए एमटी वर्क्स शॉप गेट से प्रवेश कर वायरलेस ऑफिस के सामने से होकर मंच के पीछे स्थित VIP पार्किंग में वाहन पार्क कर सकेंगे।

बिना पास धारक वाहन

जिनके पास वाहन पास नहीं है, वे अपने वाहन को सेंट पॉल स्कूल ग्राउंड में पार्क कर सकते हैं। वहां से पैदल पुलिस लाइन के आर.आई गेट से प्रवेश कर दर्शक दीर्घा तक जा सकते हैं।

स्कूल बसें

छात्र-छात्राओं और अन्य संस्थाओं के प्रतिभागियों को लेकर आने वाली बसें पुलिस लाइन के पिछले गेट (धमतरी गेट) से छात्रों को उतारेंगी और फिर विवेकानंद सरोवर के परिक्रमा पथ पार्किंग में बसों को पार्क करेंगी।

सिद्धार्थ चौक/पुरानी बस्ती की ओर से आने वाले बिना पास धारक वाहन

इस मार्ग से आने वाले वाहन चालक अपने वाहन को विवेकानंद सरोवर के परिक्रमा पथ पार्किंग में पार्क कर पुलिस लाइन धमतरी गेट से पैदल परेड ग्राउंड में प्रवेश करेंगे।

PWD चौक की ओर से आने वाले बिना पास धारक वाहन

इस मार्ग से आने वाले वाहन चालक अपने वाहन को सेंट पॉल स्कूल पार्किंग स्थल में पार्क करेंगे और फिर आर.आई गेट से पैदल प्रवेश करेंगे।

महत्वपूर्ण नोट

कार्यक्रम के आसपास की सड़कों पर सभी प्रकार के वाहनों की पार्किंग प्रतिबंधित रहेगी। मीडिया ओबी वैन पुलिस लाइन धमतरी गेट से प्रवेश करेगा और हेलिपैड के बगल में पार्किंग की व्यवस्था होगी।

यातायात-डायवर्जन

पेंशनबाड़ा चौक, PWD चौक, और महिला थाना चौक से पुलिस लाइन की ओर केवल परेड में शामिल होने वाले और परेड देखने वाले वाहनों को ही प्रवेश दिया जाएगा। सामान्य यातायात को अन्य मार्गों में डायवर्ट किया जाएगा। अत: इस मार्ग से आवागमन करने वाले वाहन चालकों से अनुरोध है कि वे कार्यक्रम समाप्ति तक वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

यातायात पुलिस रायपुर सभी वाहन चालकों से अनुरोध करती है कि वे VIP मार्ग को छोड़कर अन्य निर्धारित मार्गों का उपयोग करते हुए पार्किंग स्थल पर अपने वाहन पार्क करें और समारोह स्थल तक पहुंचें।

छत्तीसगढ़ प्रदेश के चावल मिल मालिकों ने लिया कस्टम मिलिंग ना करने का निर्णय

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ प्रदेश राइस मिलर्स एसोसिएशन की वार्षिक बैठक हुई,जिसमें मिलर्स ने कस्टम मिलिंग के बकाया भुगतान एवं अन्य मांगों के निराकरण होने तक साल 2024-25 में कस्टम मिलिंग ना करने का निर्णय लिया। इस संबंध में एसोसिएशन अध्यक्ष योगेश अग्रवाल ने बताया की कस्टम मिलिंग के विगत कई वर्षों से करोड़ों रुपए मार्कफेड में बकाया है। जिससे की मिलर्स की आर्थिक रूप से कमर टूट चुकी है तथा मार्कफेड ने अनेक प्रकार से मिलर्स का बिल ग़लत गणना करते हुए मिलर्स की विसंगतिपूर्ण कटौती की है जिससे प्रदेश भर के मिलर्स आक्रोशित हैं। वार्षिक बैठक में मिलर्स का गुस्सा इन्ही विषयों पर फूट पड़ा। सभी मिलर्स इस विषय पर एकमत रहे है नीतियां बनाने समय मिलर्स एसोसिएशन को विश्वास में लिया जाना चाहिए क्योंकि कस्टम मिलिंग मिलर्स के सहयोग से चलती है इसके बावजूद मिलर्स की जायज मांगों पर सुनवाई नहीं होती।

भारत सरकार द्वारा परिवहन की दरों को घटाकर हर वर्ष एसएलसी से दरें फाइनल करने की अपनी नीति को अकारण बदलते हुए मिलर्स से लंबी दूरी का धान चावल परिवहन जबरन कराया जा रहा है। परिवहन मद में भारत सरकार अभी जो राशि दे रही है उसमें मजदूरी खर्च भी नहीं मिल रहा है। जबकि मिलर्स को सैकड़ों किलोमीटर दूर से धान उठाकर चावल जमा देना पड़ रहा है। टेंडर प्रस्ताव को एसोसिएशन के मिलर्स ने सिरे से नकार दिया। मिलर्स की सोच है कि अन्य राज्यों में यह योजना फेल है जिन्हें टेंडर मिलता है वह समय पर सप्लाई नहीं देता या अपने कुछ लोगो को टेबल के नीचे सप्लाई दे दी जाती है। वर्तमान चालू व्यवस्था से मिलर्स गुणवत्ता देख समझ कर लेता है जिससे गुणवत्ता में समस्या नहीं रहती और बहुत सारे प्लांट होने से आपूर्ति लगातार बनी रहती है। मिलर्स बारदाना में मार्कफेड की नीति एक पक्षीय है, नियम - नीति सब ताक पर हैं। मिलर्स की अनावश्यक रूप से बिलों में पेनल्टी काटी जा रही है। शासन के पास चावल जमा करने की जगह नहीं होती उसके बावजूद कस्टम मिलिंग देरी की पेनल्टी मिलर्स को भुगतना पड़ रहा है।आज का समय कंप्यूटर का है, पूरा सिस्टम ऑनलाइन है, विभाग को अपने सिस्टम पर सब कार्य दिखाई देता है इसके बावजूद मिलर्स को कागजी खानापूर्ति में बहुत परेशान किया जाता है। मिलर्स एसोसिएशन की मांग है कि कागजी खानापूर्ति खत्म होनी चाहिए। मिलर्स से बिल लिया जाना चाहिए और उसके अनुसार गणना कर जिला कार्यालय में ही बिलों की जाँच कर भुगतान करना चाहिए।

एसोसिएशन के सदस्यों ने शासन से यह माँग रखी है है कि वह चावल उद्योग के प्रति सहानुभूति रखें क्योंकि वह कस्टम मिलिंग कार्य में बारदाना, परिवहन कार्यों में सहयोग देता है।मिलर्स पर अन्यायपूर्ण व्यावहार नहीं होना चाहिए। मिलर्स सभी तरह से सहयोग करता है, तब भी समस्याओं का लंबे समय तक निराकरण ना होने से मिलर्स परेशान है यही वजह है कि मिलर्स अगले साल के लिए कस्टम मिलिंग में रुचि ना लेकर समस्याओं के समाधान तक पंजीयन नहीं करने एकमत है। आज की बैठक में प्रदेश भर के हर ज़िले के मिलर्स व पूरे प्रदेश के 1500 से ज़्यादा मिलर्स प्रतिनिधि की उपस्थिति रही।

कांवरे ने जनता की समस्याओं को गंभीरता से त्वरित निराकरण करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। संभागायुक्त महादेव कांवरे ने आज कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जन समस्या निवारण कॉल सेंटर का जायजा लिया।उन्होंने रायपुर जिला प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि इसके शुरू होने से लोगों की शिकायतों का जल्द निराकरण हो रहा है।

साथ ही सबसे बडी बात यह है कि लोगों को अब शिकायत करने के लिए विभागों का चक्कर नहीं लगाना पड रहा है। साथ ही जनता की समस्याओं को गंभीरता से त्वरित निराकरण करने का निर्देश दिया। इस दौरान उनके साथ कलेक्टर डॉ गौरव सिंह भी मौजूद रहे। कलेक्टर डॉ सिंह ने जन समस्या निवारण कॉल सेंटर के संचालन के बारे में उन्हें जानकारी दी। उन्होनें संभागायुक्त को इसके कार्यशैली के बारे में भी बताया कि यहां पर किस प्रकार से कार्य किया जाता है।

डॉ सिंह ने बताया कि कि जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर कलेक्ट्रेट परिसर के कक्ष क्रमांक 4 में 24 घंटो संचालित रहता है। आम जनता के लिए 4 मोबाइल नंबर उपलब्ध कराए गए हैं। जिस पर 24 घंटे शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यहां पर आने वाली शिकायतों को उनके संबंधित विभाग में दिया जाता है। जहां से समस्या निराकरण के लिए कहा जाता है। साथ ही समस्या निराकृत होने के बाद कॉल सेंटर को जानकारी देनी होती है। जिसके बाद कॉल सेंटर के लोग संबंधित से समस्या निराकरण की जानकारी लेते हैं।

ई-वे बिल से संबंधित पूर्व अधिसूचना को यथावत रखने चेंबर ने सौंपा वित्तमंत्री चौधरी को ज्ञापन

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी,विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी के नेतृत्व में चेम्बर का प्रतिनिधि मंडल ने ओ.पी. चैधरी, वित्त, वाणिज्यिक कर मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन से मिलकर ईज डूइंग बिजनेस के तहत ई-वे बिल से संबंधित पूर्व अधिसूचना क्रमांक 10-31/2018/वाक/पांच (46) को यथावत रखने ज्ञापन सौंपा।

चेंबर प्रदेश अध्यक्ष अमर परवानी ने बताया कि ईज ऑफडूइंग बिजनेस के तहत ई-वे बिल से संबंधित पूर्व अधिसूचना को यथावत रखने चेंबर ने ओ.पी. चौधरी, वित्त, वाणिज्यिक कर मंत्री को ई-वे बिल की संख्या एवं अनुपालन से संबंधित बढ़ती जटिलताओं की जानकारी दी। वर्तमान में प्राप्त छूट हटने के कारण प्रतिदिन ई-वे बिल की संख्या में वृद्धि हो रही है। जिसके कारण जीएसटी विभाग पर अतिरिक्त कार्यभार बढ़ेगा साथ ही साथ इज ऑफ डूइंग बिजनेस के उदेश्य को क्षति भी हो रही है। साथ ही छोटे व्यापारियों को विभिन्न प्रकार की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

पारवानी ने ओ.पी. चौधरी से निवेदन किया कि 24 मई 2024 को जारी अधिसूचना पर पुन: विचार करते हुए पूर्व मे जारी अधिसूचना को यथावत रखा जाए। जिस पर मंत्री चौधरी ने सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए चेंबर को आश्वस्त किया कि उपरोक्त प्रावधान से संबधित ऐसी कोई भी कार्यवाही नहीं होगी जिससे व्यापारियों को दिक्कतों का सामना करना पड़े। इस अवसर पर चेम्बर सलाहकार सुरिन्दर सिंह, परमानंद जैन, प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, मनमोहन अग्रवाल, उपाध्यक्ष भरत जैन एवं प्रीतपाल सिंह बग्गा प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

राज्य का ऐसा पहला सेंटर है, जो लगातार एनिमल बर्थ कण्ट्रोल का कार्य कर रहा है

रायपुर निगम आयुक्त ने श्वान नसबंदी कार्यक्रम की देखी प्रगति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा बैरन बाजार में संचालित एनिमल बर्थ कण्ट्रोल सेंटर में पहुंचकर श्वान नसबंदी अभियान की प्रगति का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। रायपुर का सेंटर राज्य का ऐसा पहला सेंटर है, जो लगातार एनिमल बर्थ कण्ट्रोल का कार्य कर रहा है।

आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने एनिमल बर्थ कण्ट्रोल सेंटर के ऑपरेशन थिएटर में शासकीय पशु चिकित्सक डॉक्टर सूर्य कुमार दीवान एवं डॉक्टर डी। के। साहनी द्वारा शहर के मार्गो से रायपुर नगर पालिक निगम के स्वास्थ्य विभाग की विशेष डॉग कैचर टीमों द्वारा धरपकड़ कर लाये गए श्वानों की नसबंदी की कार्यवाही को देखा। बैरन बाजार में नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा संचालित एनिमल बर्थ कण्ट्रोल सेंटर के माध्यम से चार डॉग कैचर टीमों द्वारा प्रतिदिन शहर के विभिन्न मार्गो एवं क्षेत्रों से लगभग 20 श्वानों को धरपकड़ कर लाया जा रहा है।

नगर पालिक निगम द्वारा संचालित एनिमल बर्थ कण्ट्रोल सेंटर में राजधानी

शहर के कचना ड्रीम सिटी, पुलिस ग्राउंड, गोकुल नगर, न्यू राजेन्द्र नगर, अमलीडीह, गोकुल नगर गौठान आदि क्षेत्रों से लगभग 20 श्वानों को धरपकड़ कर विशेष डॉग कैचर टीमों ने लाया। रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा संचालित एनिमल बर्थ कण्ट्रोल सेंटर में लाये गए श्वानों की नसबंदी प्रतिदिन शासकीय पशु चिकित्सकों द्वारा नियमित रूप से की जा रही है। वर्ष 2018 से पशु जन्य नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत एनिमल बर्थ कण्ट्रोल सेंटर में श्वान नसबंदी अभियान प्रतिदिन निरंतर प्रगति पर है। अब तक लगभग 25 हजार से अधिक श्वानों की नसबंदी नगर निगम रायपुर के एनिमल बर्थ कण्ट्रोल सेंटर में शासकीय पशु चिकित्सकों द्वारा की जा चुकी है। आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने एनिमल बर्थ कण्ट्रोल सेंटर में तैयार अत्याधुनिक पद्धति के नए ऑपरेशन थिएटर के कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने अधीक्षण अभियंता राजेश शर्मा को नए ऑपरेशन थिएटर में मीटर लगवाकर एयर कंडीशनर सिस्टम लगवाने का कार्य एक सप्ताह के भीतर प्राथमिकता से करवाना सुनिश्चित करने निर्देशित किया है।

नए ऑपरेशन थिएटर के प्रारम्भ हो जाने से रायपुर शहर में श्वान नसबंदी और पशु जन्य नियंत्रण कार्यक्रम का क्रियान्वयन नगर निगम के एनिमल बर्थ कण्ट्रोल सेंटर के माध्यम से और अधिक प्रभावी तरीके से हो सकेगा। राजधानी शहर में श्वानों की आबादी पर कारगर नियंत्रण की दृष्टि से यह काफी सहायक रहेगा। आयुक्त द्वारा निरीक्षण के दौरान नगर निगम अपर आयुक्त राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणीग्रही, उप अभियंता अनुराग पाटकर की उपस्थिति रही।

संभागायुक्त व कलेक्टर ने वितरित किए झंडे, हर घर तिरंगा फहराने आव्हान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत आज विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान संभागायुक्त महादेव कावरे और कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने कलेक्ट्रेट और जिला पंचायत के अधिकारियों और कर्मचारियों को झंडा वितरित किया। इस मौके पर, संभागायुक्त श्री कावरे और कलेक्टर डॉ सिंह ने कलेक्ट्रेट और जिला पंचायत के अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा, हमारा देश एकता और अखंडता की प्रतीक है।

हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य हर भारतीय के घर में तिरंगा फहराकर देशभक्ति की भावना को प्रकट करना है। उन्होंने कहा कि वे इस अवसर का उपयोग अपने राष्ट्रीय कर्तव्यों को निभाने के लिए करें और अपने घरों पर तिरंगा फहराकर गर्वित महसूस करें। साथ ही कहा कि इस तरह की पहल ने समाज में एकता और सहयोग की भावना को मजबूत किया और स्वतंत्रता दिवस को और भी विशेष बना दिया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरिकृष्ण जोशी सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

वन महानिदेशक ने जंगल सफारी में लगाया पौधा

रायपुर। छत्तीसगढ़ आए जितेन्द्र कुमार वन महानिदेशक एवं विशेष सचिव पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार ने छत्तीसगढ़ सरकार के वृक्षारोपण अभियान एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत नवा रायपुर के सेक्टर-39 में स्थित नंदनवन जंगल सफारी में महुआ का पौधा लगाया। स्कूली छात्र-छात्राओं एवं वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा हाथी मानव द्वंद विषय पर प्रदर्शित चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया एवं उनकी सराहना की। चित्रकला प्रदर्शनी के अवलोकन के पश्चात जितेन्द्र कुमार द्वारा विजेता प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत भी किया। इस अवसर पर क्षेत्र के विधायक इंद्र कुमार साहू एवं वन एवं जलवायु परिवर्तन भारत सरकार के केन्द्रीय अधिकारीगण सुशील कुमार अवस्थी अतिरिक्त महानिदेशक, सुभाष चंद्रा मुख्य कार्यपालन अधिकारी (कैंपा), रमेश कुमार पांडे वनमहानिरीक्षक एवं निदेशक (प्रोजेक्ट टाइगर एवं एलिफेंट), संजय कुमार शुक्ला सदस्य सचिव (केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण), राजेश एस. वन महानिरीक्षक, डॉ. धीरज मित्तल सहायक वन महानिरीक्षक (प्रोजेक्ट टाइगर एवं एलीफेंट) ने भी जंगल सफारी में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए।

'लाहौर 1947' की शूटिंग हुई खत्म! 'गदर 2' के बाद दमदार किरदार में नजर आएंगे सनी देओल

फिल्म 'गदर 2' से सिनेमाघरों में धमाल मचाने के बाद अब बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल फिल्म 'लाहौर 1947' में नजर आएंगे। साल 2023 में आई फिल्म 'गदर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की थी। अब एक बार फिर से सनी सिनेमाघरों में अपनी फिल्म 'लाहौर 1947' से धमाल मचाने के लिए तैयार हैं।

फिल्म की शूटिंग हुई खत्म

पिछले साल अक्टूबर के महीने में सनी देओल की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'लाहौर 1947' को बनने की घोषणा की गई थी। फिल्म 'लाहौर 1947' को लेकर लगातार कोई ना कोई जानकारी सामने आती रहती है। लेकिन इस बार जो जानकारी सामने आई है, वह वाकई में सनी देओल के प्रशंसकों को खुश कर देगी। दरअसल, फिल्म 'लाहौर 1947' की पूरे 70 दिनों की शूटिंग अब खत्म हो चुकी है। इस फिल्म में सनी देओल मुख्य अभिनय निभाएंगे, जबकि आमिर खान इस फिल्म के सिर्फ निर्माता है। इस फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोषी करेंगे।

ट्रेन सीक्वेंस भी हुआ पूरा

बता दें राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित फिल्म 'लाहौर 1947' की पूरे 70 दिनों की शूटिंग बिना रुके की गई है। लगातार इस फिल्म की शूटिंग 70 दिनों तक चली और अब जाकर इसकी शूटिंग खत्म हो चुकी है। इस फिल्म में सनी देओल के साथ प्रीति जिंटा नजर आएंगी। इस फिल्म में ट्रेन पर एक एक्शन सीक्वेंस भी फिल्माया गया है, जो बेहद खतरनाक है। निर्देशक राजकुमार संतोषी को उनकी फिल्म 'घातक', 'अंदाज अपना अपना' और दामिनी जैसी फिल्मों के बेहतरीन निर्देशन के लिए जाना जाता है।

एक्शन फिल्म होगी 'लाहौर 1947'

यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म होगी। इस फिल्म में सनी देओल के साथ प्रीति जिंटा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में आमिर खान भी कैमियो रोल करते दिखाई दे सकते हैं। फिल्म 'लाहौर 1947' अगले साल यानी 2025 के गणतंत्र दिवस यानी 26 जनवरी 2025 पर रिलीज की जा सकती है। इस फिल्म में दर्शकों को भरपूर एक्शन देखने को मिलने वाला है। प्रशंसकों को 'गदर 2' के बाद से ही सनी देओल से बेहद उम्मीदें हैं।

काम की बात करें तो 'लाहौर 1947' के अलावा सनी देओल निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में हनुमान के किरदार में नजर आ सकते हैं। हालांकि, इसे लेकर अभी तक किसी तरह की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। सनी देओल के प्रशंसक को हमेशा से ही उनकी आगामी धमाकेदार फिल्मों का इंतजार रहता है।

श्रद्धा कपूर का राहुल मोदी से ब्रेकअप हुआ कन्फर्म? एक्ट्रेस की बहन ने भी किया अनफॉलो

श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी कुछ समय पहले ही रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में थे कि अब उनके ब्रेकअप की चर्चा हो रही है। श्रद्धा कपूर को लेकर काफी समय से खबर आ रही थी कि वह राहुल मोदी को डेट कर रही हैं। अनंत अंबानी के प्री वेडिंग फंक्शन के दौरान श्रद्धा, राहुल के साथ ही जाते हुए दिखी थीं। इतना ही नहीं श्रद्धा ने खुद भी इंस्टाग्राम स्टोरी पर राहुल के साथ फोटो शेयर कर रिलेशन कम्फर्म किया था। लेकिन अब खबर आ रही है कि दोनों का ब्रेकअप हो गया है। पहले खबर आई कि श्रद्धा ने राहुल को अनफॉलो किया है। वहीं अब इस खबर को लेकर एक और कन्फर्मेशन आया है।

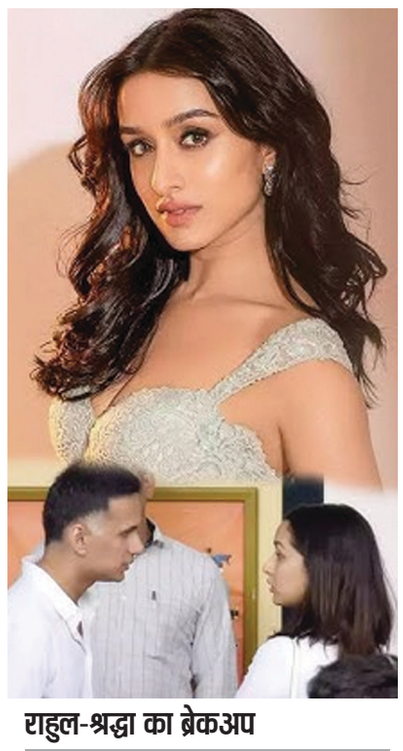

राहुल-श्रद्धा का ब्रेकअप

राहुल-श्रद्धा का ब्रेकअप

रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रद्धा की बहन जानाई भोसले जो आशा भोसले की नातिन हैं उन्होंने भी राहुल को अनफॉलो कर दिया है। इसके बाद से कहा जा रहा है कि लगता है श्रद्धा और राहुल का कन्फर्म ब्रेकअप हो गया है। वैसे बता दें कि अब तक ना तो श्रद्धा और ना ही राहुल ने इस पर कमेंट किया है।

सोशल मीडिया पर किया था कन्फर्म

बता दें कि श्रद्धा ने जब राहुल के साथ फोटो शेयर की थी तब लिखा था, दिल रख ले, नींद तो वापस दे दे यार। बस फिर क्या था यह फोटो तो कुछ ही देर में सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी। श्रद्धा के फैंस काफी खुश हुए थे, कुछ ने तो शादी की डेट तक पूछ ली थी। उस वक्त हिन्दुस्तानियों कि इसन टाइम्स की रिपोर्ट आई थी कि दोनों साथ में फोटोज क्लिक करने पर कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि दोनों रिलेशन जल्द कन्फर्म करेंगे। दोनों प्राइवेट पर्सनल हैं और रिलेशन को लाइमलाइट से दूर रखना चाहते हैं।

प्रोफेशनल लाइफ

श्रद्धा की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो अब वह स्त्री 2 में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म को लेकर काफी बज है क्योंकि इसका पहला पार्ट सुपरहिट था। फिल्म को लेकर लोगों की एक्साइटमेंट इतनी ज्यादा है कि इसकी एडवांस बुकिंग काफी जबरदस्त हो रही है। श्रद्धा के साथ इस फिल्म में राजकुमार राव लीड रोल में हैं और फिल्म 15 अगस्त को रिलीज हो रही है।

ऐश्वर्या राय से तलाक की खबरों के बीच अभिषेक बच्चन का आया रिएक्शन

आखिरकार बता ही डाला सच

अमिताभ बच्चन के बेटे अभिषेक बच्चन, जो कुछ दिन पहले पेरिस ओलंपिक 2024 में शामिल हुए थे। वह कई दिनों से अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। कहा जा रहा है कि वह और उनकी पत्नी ऐश्वर्या राय अलग होने वाले हैं। इन खबरों पर अब एक्टर ने विराम लगाया है। बॉलीवुड मीडिया को दिए गए इंटरव्यू में अपनी शादी की अंगूठी दिखाते हुए अभिषेक बच्चन ने कहा, हम अभी भी शादीशुदा हैं।

आगे उन्होंने कहा, मुझे उस बारे में कुछ कहना नहीं है। दुख की बात है कि आप सभी ने इस पूरी बात को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया है। मैं समझता हूं कि आपने ऐसा क्यों किया है। आपको कुछ स्टोरीज देनी पड़ती हैं। कोई बात नहीं, हम सेलिब्रिटी हैं, हमें इसे स्वीकार करना होगा।

गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय के तलाक की अफवाहें सोशल मीडिया पर चल रही हैं, जिसे एक हाई-प्रोफाइल शादी में कपल के अलग-अलग एंट्री करने से हवा मिली। इसके बाद अभिषेक ने ग्रे तलाक के बढ़ते मामलों के बारे में एक इंस्टाग्राम पोस्ट को लाइक किया, जिसने खबरों को सुर्खियों में फिर से ला दिया। इसके अलावा एक डीपफेक वीडियो भी अभिषेक बच्चन का वायरल हुआ था, जिसमें उनके तलाक के बारे में जानकारी दी गई ती। हालांकि यह फेक था।

हाथों में लगातार हो रही है झुनझुनी तो हो जाएं सावधान

इस खतरनाक बीमारी के हैं लक्षण

हाथों में लगातार झुनझुनी हो रही है तो सावधान हो जाएं, क्योंकि ये खतरनाक बीमारी के संकेत हो सकते हैं। अक्सर लंबे समय तक किसी अंग पर भार देकर बैठे रहना और फिर अचानक से उठने पर झुनझुनी महसूस हो सकती है। कभी-कभार ऐसा होना नॉर्मल हो सकता है लेकिन अगर बार-बार ऐसा हो रहा है तो तुरंत इस पर ध्यान देना चाहिए। हाथों में होने वाली झुनझुनी कई बीमारियों का लक्षण हो सकती है। अगर आपके साथ भी ऐसा हो रहा है तो यहां जानिए इसके क्या-क्या कारण हैं।

हाथों में झुनझुनी क्यों आती है

विटामिन बी व सी की कमी

शरीर में जब विटामिन बी और विटामिन ई की कमी होती है तो नर्व और शरीर के अन्य हिस्से प्रभावित होते हैं। सही खानपान न होने से शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है और हाथों ही नहीं पैरों में भी झुनझुनी शुरू हो जाती है। ऐसा होने पर तुरंत अपनी डाइट पर ध्यान देना चाहिए।

थायराइड की समस्या

हाइपोथाइरॉएडिज्म से जूझ रहे इंसान के हाथ में भी अक्सर झुनझुनी की शिकायत होती है। ऐसा तब होता है, जब पीड़ित सही तरह अपना देखभाल नहीं कर पाता है। इसलिए थायराइड के

लक्षण दिखने लगते हैं। इस बीमारी का तत्काल इलाज करवाना चाहिए।

दवाओं के साइड इफेक्ट

कई दवाईयों के साइड इफेक्ट्स की वजह से भी नर्व से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। ट्यूबरक्लोसिस, हाई ब्लड प्रेशर, एचआईवी और कई अन्य इंफेक्शन की वजह से कभी-कभी हाथ और पैस सुन्न पड़ सकते हैं। इसमें भी झुनझुनी की समस्या हो सकती है।

ज्यादा शराब पीना

बहुत ज्यादा शराब पीने से नर्व और टिश्यू डैमेज हो सकते हैं। इससे शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्व जैसे विटामिन बी 12 और फोलेट भी कम हो सकता है। इसका नर्व पर बुरा असर पड़ता है और हाथों में झुनझुनी हो सकती है।

नर्सों की बीमारी

नर्सों से जुड़ी किसी तरह की बीमारी में भी हाथ सुन्न पड़ सकते हैं। हमारे हाथों में महसूस होता है कि कोई सूई चुभा रहा है। कई बार इस तरह का दर्द असहनीय होता है। ऐसे में बिना देर किए डॉक्टर से मिलना चाहिए।

'जन्मदिन मुबारक मेरी जान', बोनी कपूर ने किया याद, खुशी ने भी साझा की तस्वीर

दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी अगर इस दुनिया में होतीं तो आज अपना 61वां जन्मदिन मना रही होतीं। 13 अगस्त को उनकी बर्थ एनिवर्सरी है। अदाकारा वर्ष 2018 में इस दुनिया को अलविदा कह गईं। आज श्रीदेवी की बर्थ एनिवर्सरी पर उनके पति व मशहूर प्रोड्यूसर बोनी कपूर ने उन्हें याद किया है। बोनी कपूर ने अभिनेत्री की तस्वीर साझा कर दिल की बात लिखी है। इसके अलावा बेटी खुशी कपूर भी मां को याद करती नजर आई हैं।

खुशी कपूर ने शेयर की बचपन की तस्वीर

बोनी कपूर ने इंस्टाग्राम पोस्ट में श्रीदेवी की खूबसूरत तस्वीर शेयर की है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'जन्मदिन मुबारक मेरी जान'। वहीं, अभिनेत्री व श्रीदेवी और बोनी कपूर की छोटी बेटी खुशी कपूर ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पुरानी तस्वीर साझा की है। इसमें श्रीदेवी के साथ खुशी और जान्हवी कपूर दोनों नजर आ रही हैं। यह दोनों के बचपन की तस्वीर है। खुशी अपनी मां की गोद में बैठी हैं और जान्हवी दो चोटी में बेहद क्यूट लग रही हैं।

देवर संजय कपूर ने दी प्रतिक्रिया

बोनी कपूर के पोस्ट पर यूजर्स कमेंट कर रहे हैं। साथ ही फिल्म जगत की हस्तियां भी श्रीदेवी को याद कर रही हैं। बोनी कपूर के छोटे भाई संजय कपूर ने हार्ट इमोजी पोस्ट किया है। मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने भी प्रतिक्रिया दी है। इसके अलावा फैंस भी भावुक कमेंट लिख रहे है। एक यूजर ने लिखा, 'वे हमेशा बेस्ट रहेंगी'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'हम श्रीदेवी की कुछ अनदेखी तस्वीरें देखना चाहते हैं। उन्हें साझा कीजिए प्लीज'।

साउथ से बॉलीवुड तक, शानदार रहा सफर

13 अगस्त 1963 को जन्मीं श्रीदेवी ने कई यादगार फिल्मों में काम किया। उन्होंने साउथ सिनेमा से अभिनय की शुरुआत की और फिर बॉलीवुड में भी उनका करियर शानदार रहा। उन्होंने चांदनी, लम्हे, मिस्टर इंडिया, चालबाज, नगीना, सदमा जैसी फिल्मों में काम किया। उनकी आखिरी फिल्म 'मॉम' थी। इसके लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला था। 24 फरवरी 2018 को दुबई में श्रीदेवी का निधन हो गया। वे एक फैमिली फंक्शन में हिस्सा लेने के लिए दुबई गई थीं।

मुझे हमेशा ऐसे ऑफर मिलते हैं, जिनमें मेरी दिलचस्पी नहीं होती: कीर्ति कुल्हारी

एक्ट्रेस कीर्ति कुल्हारी ने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। वह ओटीटी पर भी कई अच्छे प्रोजेक्ट का हिस्सा रही हैं। इन दिनों वह अपकमिंग डिटेक्टिव ड्रामा शेखर होम को लेकर चर्चाओं में हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि उन्हें हमेशा ऐसे ऑफर मिलते हैं, जिनमें उनकी कोई दिलचस्पी नहीं होती। कीर्ति ने कहा, मैं ऐसी फीचर फिल्मों पर काम कर रही हूं, जो अभी रिलीज नहीं हुई हैं। मैं प्रोडक्शन के बारे में भी सोच रही हूं, लेकिन मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में और बदलाव की जरूरत है। मुझे ऐसे ऑफर मिलते हैं, जिनमें मेरी दिलचस्पी नहीं होती।

उन्होंने कहा, काम की क्वांटिटी कभी-कभी क्वालिटी को प्रभावित कर सकती है। ओटीटी और फिल्म स्टार्स के बीच का अंतर खत्म किया जाना चाहिए। सभी को समान रूप से पहचाना जाना चाहिए। इस सीरीज में मेरा रोल रिफ्रेशिंग चेंज है, इसमें डिटेक्टिव एलिमेंट्स को कॉमेडी के साथ जोड़ा गया है और यह मेरे पिछले काम की तुलना में कुछ नया है।

शेखर होम में के. के. मेनन जासूस शेखर होम का रोल निभा रहे है, जबकि कीर्ति कुल्हारी का किरदार शो के सस्पेंस और कॉमेडी में तड़का लगाने का काम कर रहा है। इस सीरीज में दोस्ती, प्यार, विश्वासघात और अपराध जैसे रोमांचक ट्विस्ट है। इसमें रणवीर शौरी जयव्रत साहनी की भूमिका में हैं। शेखर होम का प्रीमियर 14 अगस्त से जियो सिनेमा प्रीमियम पर होगा। एक्ट्रेस के करियर की बात करें तो कीर्ति ने 2010 में फिल्म खिचड़ी-द मूवी से अपने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद वह शैतान, सुपर से ऊपर, जल जैसी फिल्मों में नजर आईं। कीर्ति को 2016 की लीगल थ्रिलर फिल्म पिंक में फलक के किरदार में देखा गया। इसका निर्देशन अनिरुद्ध रॉय चौधरी ने किया और फिल्म की कहानी शूजित सरकार, रितेश शाह और अनिरुद्ध ने लिखी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, तापसी पन्नू, एंड्रिया तारियांग, अंगद बेदी, तुषार पांडे, पीयूष मिश्रा और धृतिमान चटर्जी जैसे कलाकारों ने काम किया था। इसके बाद उन्होंने इंदु सरकार में लीड रोल निभाया और ब्लैकमेल में भी नजर आईं।

कबीर बहिया के साथ शादी करने वाली हैं कृति?

अभिनेत्री ने पहली बार तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दो पत्ती' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इससे पहले उन्होंने इस साल रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में अभिनय किया था, जिसमें उन्होंने एक रोबोट का किरदार निभाया था। अभिनेत्री अपनी प्रोफेशनल लाइफके अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं। अब हाल ही में, कृति ने कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ अपनी डेटिंग अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन हाल ही में, अपने कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ छुट्टियों की तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल होने के बाद चर्चा में थीं। अब अभिनेत्री ने उनके बारे में लिखी गई ऑनलाइन खबरों पर प्रतिक्रिया दी हैं और इसे निराशाजनक बताया है।

कृति और कबीर की तस्वीरें वायरल होने के बाद, कई रिपोर्ट्स में कहा गया कि अभिनेत्री जल्द ही शादी करने की योजना बना रही हैं। हालांकि, कृति जल्द ही शादी करने के मूड में नहीं हैं और उन्होंने इन खबरों को बेहद परेशान करने वाला बताया है। अब हाल ही में, फिल्मफेयर के साथ एक साक्षात्कार में अभिनेत्री ने बताया कि जब उनके बारे में गलत जानकारी फैसाई जाती है तो यह बहुत गुस्सा दिलाने वाला होता है। इसलिए क्योंकि इसका असर उनके परिवार पर भी पड़ता है। कृति ने कहा, उन्हें किसी झूठी बात के दुष्परिणामों से नहीं जूझना चाहिए। यह तब और भी अधिक परेशान करने वाला होता है, जब अफवाहें मेरी निजी जिंदगी से जुड़ी होती हैं। फिर दोस्त मुझे मैसेज भेजते हैं कि क्या यह सच है और मुझे क्लियर करना पड़ता है कि यह सच नहीं है। उन्होंने आगे कहा, लोग अक्सर कहानियां फैलाने से पहले तथ्यों की पुष्टि करने की जहमत नहीं उठाते, खासकर सोशल मीडिया पर जहां नेगेटिविटी तेजी से फैलती है। इन झूठों को लगातार सही करना परेशान करने वाला है और किसी भी और चीज से ज्यादा परेशान करने वाला होता है।

छत्तीसगढ़ से निर्यात को मिलेगा बढ़ावा, सुविधा केन्द्र व प्रशिक्षण केन्द्र की होगी स्थापना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उद्योगमंत्री लखनलाल देवांगन की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ में भारतीय विदेश व्यापार संस्थान कोलकाता (आईआईएफटी) के निर्यात सुविधा केंद्र और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के सुविधा केंद्र के छत्तीसगढ़ में स्थापित होने से छत्तीसगढ़ से निर्यात करने वाले व्यवसायियों को मार्गदर्शन मिल सकेगा। राज्य से निर्यात गतिविधियां बढ़ेंगी। निर्यात की जाने वाली वस्तुओं, उत्पादों के सर्टिफिकेशन, बाजार की जानकारी और किस कीमत पर एक्सपोर्ट किया जाना है, इस संबंध में निर्यात करने वाले उद्यमियों को मार्गदर्शन मिलेगा। इसके साथ ही भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के छत्तीसगढ़ में स्थापित होने वाले प्रशिक्षण केंद्र से प्रदेश के युवाओं को उद्यमिता विकास का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रदेश में राष्ट्रीय स्तर के इन दो केंद्रों की स्थापना से प्रदेश व्यावसायिक और वाणिज्यिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संसाधन और वन संपदा की दृष्टि से एक संपन्न राज्य है। यहां की धरती उर्वरा है। राज्य सरकार की मंशा है कि छत्तीसगढ़ में अधिक से अधिक उद्योग-धंधे स्थापित हों, वाणिज्य और व्यापार बढ़े ताकि हमारे पढ़े-लिखे अधिक से अधिक बेटा-बेटियों को रोजगार मिल सके। पढ़े-लिखे युवाओं को उद्योग धंधों से जोड़ने की आवश्यकता है। हमारे युवा उद्यमिता की ओर कदम बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में निर्यात सुविधा केंद्र की स्थापना से छत्तीसगढ़ के उत्पादों का विदेशों में निर्यात बढ़ेगा और उद्यमिता प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना से हमारे युवा उद्योगों की स्थापना और वर्तमान उद्योगों को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित होंगे और इसके लिए सक्षम बनेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का संकल्प लिया है। छत्तीसगढ़ में भी हम विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए विजन डाक्यूमेंट तैयार कर रहे हैं। अपने राज्य में उद्योग और व्यापार को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज जिन राष्ट्रीय संस्थानों के साथ एमओयू हुआ है, उनके यहां आना छत्तीसगढ़ के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

उद्योगमंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नए-नए उद्योग धंधों और व्यापारिक गतिविधियां फलें-फूलें, इससे अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। युवाओं को यह जानकारी मिल सकेगी कि कैसे अपना उद्योग बढ़ा सकें, कैसे विदेश में व्यापार किया जा सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य में अधिक से अधिक उद्योगों की स्थापना के लिए सक्रिय प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार की मंशा है कि छत्तीसगढ़ की उद्योगों के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बने। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ के विकास के लिए तेजी से निर्णय लिए हैं। काफी कम समय में मोदी जी की गारंटियां पूरी की गई हैं।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईटीएफ) का सुविधा केंद्र छत्तीसगढ़ में स्थापित करने के लिए किए गए एमओयू पर राज्य सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव अंकित आनंद और आईआईएफटी कोलकाता के हेड डॉ. के. रंगराजन ने और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद (ईडीआईआई) के प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना के लिए ईडीआईआई के डायरेक्टर जनरल डॉ. सुनील शुक्ला ने हस्ताक्षर किए।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान को सुविधा केंद्र संचालित करने के लिए राज्य सरकार उद्योग भवन, रायपुर में स्थान तथा तीन वर्ष की अवधि में लगभग 75 लाख रुपए की राशि उपलब्ध कराएगी। इसी तरह भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद (ईडीआईआई) के प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना के लिए राज्य सरकार स्थान तथा लगभग सवा तीन करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध कराएगी। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के सचिव श्री अंकित आनंद ने निर्यात सुविधा केन्द्र तथा उद्यमिता प्रशिक्षण केन्द्र के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निर्यात और उद्यमिता विकास के लिए राज्य में समुचित संस्थान नहीं था। इनकी स्थापना से यह कमी दूर होगी। प्रशिक्षण केन्द्र के संचालन में सालान लगभग दो से ढ़ाई करोड़ रूपए की लागत आएगी। इसी तरह निर्यात सुविधा केन्द्र के संचालन में हर वर्ष लगभग 25 से 30 लाख रूपए खर्च होंगे। इन दोनों केन्द्रों की स्थापना का छत्तीसगढ़ में निर्यात संवर्धन और उद्यमिता विकास के क्षेत्र में व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

ईडीआईआई के डायरेक्टर जनरल डॉ. सुनील शुक्ला ने बताया कि प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से छत्तीसगढ़ के स्थानीय संस्थानों को बिजनेस मॉडल बनाने, मेंटर का नेटवर्क तैयार करने, नये उद्यम लगाने, वर्तमान उद्योगों को बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन दिया जाएगा। हमारा प्रयास प्रदेश के 3500 युवाओं तक पहुंचने तक है। उन्होंने कहा कि इस केन्द्र की स्थापना के लिए राज्य सरकार ने तेजी से निर्णय लिया है। आईआईटीएफ कोलकाता के हेड डॉ. के. रंगराजन ने कहा कि हमारा प्रयास छत्तीसगढ़ से होने वाले निर्यात को दोगुना करने का होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के ट्रेडर्स सीधे छत्तीसगढ़ से ही वस्तुओं और उत्पादों का निर्यात कर सकेंगे।

उद्यमियों को डिजिटल और पर्सनल मोड में प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। हिन्दी माध्यम में भी यह सुविधा उपलब्ध होगी। मोबाइल एप का भी उपयोग किया जाएगा। जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्रों के महाप्रबंधकों और उद्यमियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्हें निर्यात के लिए अच्छे मार्केट और निर्यात किए जाने वाली वस्तुओं के रेट की जानकारी भी दी जाएगी।

सीएम साय ने एक पेड़ महतारी के नाम रथ को किया रवाना, कहा-

प्रकृति को सहेजने के महती आंदोलन का हिस्सा बनें आम नगारिक

रायपुर। पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अभिनव पहल पर 'एक पेड़ मां के नाम' का अनुसरण करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ में 'एक पेड़ महतारी के नाम' महाअभियान की शुरूआत की। उन्होंने इस मौके पर आम नगारिकों से प्रकृति को सहेजने के इस महती आंदोलन का हिस्सा बनने की अपील की। मुख्यमंत्री ने एक पेड़ महतारी के नाम रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में वाणिज्य उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याणमंत्री श्यामबिहारी जायसवाल भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री निवास परिसर में अभियान की शुरूआत करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने 94.3 माय एफएम को बधाई देते हुए कहा कि वह इस अभिनव पहल को जन-जन तक पहुंचाने के लिए 'एक पेड़ महतारी के नाम' अभियान की शुरूआत कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ महतारी को हरियर बनाने के लिए माय एफएम की पहल के साथ राज्य के आमजनों को अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी इस अभियान से जुड़े और एक पेड़ जरूर लगाएं। हमारी मातृशक्ति देवियों की पुण्यभूमि दंतेवाड़ा, रतनपुर, डोंगरगढ़, चंद्रपुर तथा कुदरगढ़ में भी हम मातृशक्ति की वंदना करते हुए पेड़ लगाएंगे। आप सभी प्रकृति को सहेजने के इस महती आंदोलन का हिस्सा बनें। आप सभी का यह प्रयास मिल का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर स्कूली बच्चों को विभिन्न किस्मों के पौधों के बीज भी वितरित किए और उन्हें वृक्षारोपण के लिए प्रोत्साहित किया।

मुख्यमंत्री ने कैलाश खेर के सुर के साथ मिलाया सुर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मौजूदगी में राजधानी रायपुर के इंडोर स्टेडियम में जोहार तिरंगा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया है। संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में देश के मशहूर गायक कैलाश खेर एवं साथियों ने देशभक्ति गीतों की सुरमयी प्रस्तुति दी। राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम्' और 'जान है हमारी है तिरंगा' गीत पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित उपस्थित लोगों ने देशभक्ति भाव से ओतप्रोत होकर सुर से सुर मिलाया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा इससे पूर्व 'जोहार तिरंगा' कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और छत्तीसगढ़ महतारी के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने 'जोहार तिरंगा' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हम देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर देश में तिरंगा सप्ताह मना रहे हैं, जो 9 अगस्त से शुरू हो चुका है और देश के स्वंतत्रता दिवस 15 अगस्त तक चलेगा। इसी कड़ी में इंडोर स्टेडियम में जोहार तिरंगा कार्यक्रम का यह गरिमामय आयोजन हो रहा है। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान की कड़ी में तिरंगा सप्ताह के दौरान देशभर और छत्तीसगढ़ में देशभक्ति पर आधारित कार्यक्रम हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ प्रदेश के शासकीय, अशासकीय संस्थानों, और गाँव-गाँव के स्तर पर तिरंगा यात्रा, तिरंगा रैली, तिरंगा प्रतिज्ञा, तिरंगा सेल्फी, तिरंगा मेला जैसे अनेक आयोजन किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों से हर घर तिरंगा फहराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत के लाखों वीर सपूतों की कुर्बानी के बाद हमें आजादी मिली, हमारा तिरंगा मिला हमें इसे सहेज के रखना हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'एक पेड़ मां के नाम अभियान' के तहत मां के नाम पर एक पेड़ लगाने और संरक्षित करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस मौके पर प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं दी।

वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीयता किसी भी देश के प्राण और उसकी आत्मा होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे देश वासियों से आजादी के जश्न के लिए स्वतंत्रता सप्ताह मनाए और हर घर तिरंगा की अपील की है। उन्होंने कहा कि हमें देशभक्ति के उत्साह के साथ तिरंगा सप्ताह और स्वतंत्रता दिवस मनाना चाहिए। कार्यक्रम में वनमंत्री केदार कश्यप, खाद्यमंत्री दयालदास बघेल, उद्योगमंत्री लखनलाल देवांगन, विधायक सर्वश्री किरण देव सिंह, राजेश मूणत, अनुज शर्मा, पुरंदर मिश्रा, इंद्र कुमार साहू, गुरु खुशवंत साहेब और रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल शामिल हुए।

'साय वही जो साया दे' : कैलाश खेर

इससे पहले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से यहां उनके निवास में सुप्रसिद्ध गायक कैलाश खेर ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कैलाश खेर का छत्तीसगढ़ आने पर आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान कैलाश खेर ने अपने चिर-परिचित अंदाज में मुख्यमंत्री श्री साय के शुभ नाम की व्याख्या की। उन्होंने कहा कि 'साय वही जो साया दे'। मुख्यमंत्री श्री साय यथा नाम तथा गुण हैं।

गौरवपूर्ण है क्षत्रिय समाज का इतिहास- साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गौरेला के गुरूकुल खेल मैदान में राठौर समाज द्वारा आयोजित राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर जी की 386वीं जयंती समारोह में शामिल हुए। उन्होंने भारत माता और राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर के जयकारों के साथ अपना उद्बोधन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षत्रिय समाज का गौरवपूर्ण इतिहास रहा है।

दुर्गादास राठौर मारवाड़ के ऐसे वीर सपूत थे, जहां आज भी लोग कहते है कि बेटा हो तो दुर्गादास जैसा। दुर्गादास जी की वीरता पर अंग्रेज इतिहासकारों ने लिखा है, मैं ऐसे वीर योद्धा को प्रमाण करता हूं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर वीरता के प्रतीक के रूप में केसरिया ध्वज फहराकर समारोह का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने राठौर समाज की मांग पर कलेक्ट्रेट के सामने 60 डिसमिल जमीन को राठौर समाज को दिए जाने तथा साहू समाज के सांस्कृतिक भवन के लिए 25 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जिलेवासियों की मांग पर नगर पंचायत गौरेला एवं नगर पंचायत पेंड्रा को नगर पालिका परिषद बनाने अधिसूचना जारी कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत मनाए जा रहे स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान हर घर तिरंगा फहराने और छत्तीसगढ़ को हरा-भरा बनाने के लिए एक पेड़ मां के नाम पर लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि हम चुनाव पूर्व किए गए घोषणाओं-महतारी वंदन योजना, पीएम आवास, रामलला दर्शन, तेंदूपत्ता पारिश्रमिक दर बढ़ाने सहित सभी घोषणाओं को तेजी से पूरा कर रहे है। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्यमंत्री तोखन साहू ने देश की एकता और अखंडता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। देश और समाज को आगे बढ़ाने में राठौर समाज द्वारा संगठित होकर कार्य करने की सराहना की। जिले के प्रभारी मंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर जी की वीरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आयोजन राठौर समाज का ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण समाज का आयोजन है।

विधायक प्रणव कुमार मरपच्ची, राठौर समाज के जिला अध्यक्ष कैलाश राठौर और समारोह के आयोजक बृजलाल सिंह राठौर ने भी राष्ट्रवीर दुर्गादास जी की जीवनी और उनकी वीरता पर प्रकाश डाला। राठौर समाज द्वारा मुख्यमंत्री सहित सभी अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष बिलासपुर अरुण सिंह चौहान, कन्हैया सिंह राठौर, किसान मोर्चा के अध्यक्ष राकेश तिवारी, संत परमानंद गिरी, उपेंद्र बहादुर सिंह, सुनीता राठौर, सविता राठौर, नीरज जैन, राठौर समाज के पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

किसानों को सुगमता से मिल रहा खाद-बीज, सीएम के निर्देश पर अफसर रख रहे निगरानी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर प्रदेश के किसानों को उनकी मांग के अनुरूप सुगमता के साथ प्रमाणित खाद-बीज का वितरण किया जा रहा है। कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा इन पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। प्रदेश के किसानों को अब तक 11.72 लाख मीट्रिक टन खाद जो लक्ष्य का 86 प्रतिशत वितरित हो चुका है। इसी प्रकार किसानों को 8.83 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया जा चुका है, जो लक्ष्य का 90 प्रतिशत है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने यहां बताया कि प्रदेश में मानसून के साथ शुरू हुए खेती-किसानी में बोनी का रकबा भी निरंतर बढ़ते जा रहा है। प्रदेश में मानसूनी काफी अच्छी स्थिति है। राज्य में अब तक 45.05 लाख हेक्टेयर क्षेत्र याने 93 प्रतिशत क्षेत्र में विभिन्न फसलों की बोनी हो चुकी है। राज्य सरकार द्वारा इस खरीफसीजन में 48.63 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों की बोनी का लक्ष्य रखा गया है।

86 फीसद रासायनिक खाद वितरित

प्रदेश में चालू खरीफसीजन के लिए किसानों को विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों का वितरण जारी है। 12 अगस्त 2024 की स्थिति में किसानों को 11 लाख 72 हजार मीट्रिक टन से अधिक उर्वरक का वितरण किया जा चुका हैं, जो लक्ष्य का 86 प्रतिशत है। वितरित किए गए उर्वरक में 5 लाख 67 हजार 343 मीट्रिक टन यूरिया, 2 लाख 58 हजार 380 मीट्रिक टन डीएपी, एक लाख 47 हजार 321 मीट्रिक टन एनपीके, 49 हजार 526 मीट्रिक टन पोटाश तथा एक लाख 49 हजार 462 मीट्रिक टन सुपर फास्फेट का वितरण शामिल है। चालू खरीफ सीजन के लिए राज्य में सहकारिता एवं निजी क्षेत्र के माध्यम से किसानों को 13 लाख 68 हजार मीट्रिक टन खाद वितरण का लक्ष्य निर्धारित है, जिसके विरूद्ध अब तक 15.03 लाख मीट्रिक टन का भण्डारण करा लिया गया है। भण्डारण के विरूद्ध 11.72 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का वितरण किया जा चुका है। किसानों को सुगमता पूर्वक खाद का वितरण सोसायटी और निजी विक्रेताओं द्वारा किया जा रहा है। किसानों को किसी प्रकार से परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा खाद-बीज वितरण पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

8.83 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित

प्रदेश के किसानों को चालू खरीफसीजन में विभिन्न फसलों की बोनी के लिए सरकारी समितियों एवं निजी क्षेत्र के माध्यम से सुगमता के साथ प्रमाणित बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अब तक किसानों को विभिन्न खरीफफसलों के 8 लाख 83 हजार क्विंटल प्रमाणित बीज वितरण किए गए हैं, जो कि राज्य में बीज की मांग का 90 प्रतिशत है। गौरतलब है कि राज्य में खरीफकी विभिन्न फसलों के प्रमाणित बीज की कुल मांग 9 लाख 78 हजार क्विंटल है, इसके विरूद्ध 9 लाख 31 हजार क्विंटल प्रमाणित बीज भण्डारण किया जा चुका है। किसानों को अब तक 8.83 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया गया है, जो मांग का 90 प्रतिशत है।

खास खबर

निरीक्षण में कीटनाशी दुकानों में गड़बड़ी, 9 को मिला नोटिस

महासमुंद। गुणवत्तायुक्त एवं उचित दर पर खाद, बीज एवं कीटनाशी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार एवं उप संचालक कृषि महासमुंद के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय उडन्दस्ता द्वारा महासमुंद एवं पिथौरा विकासखंड के कीटनाशी दुकानों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान महासमुंद विकासखंड के प्रणव कृषि केन्द्र मचेवा, ओंकार कृषि केन्द्र बम्हनी, साहू कृषि केन्द्र एवं आर.के. ट्रेडर्स लाफिखुर्द, महेन्द्र कृषि केन्द्र पासिद, दाउजी कृषि केन्द्र महासमुंद एवं पिथौरा विकासखंड के महाराज कृषि सेवा केन्द्र भगतदेवरी, प्रधान कृषि सेवा केन्द्र बड़ेलोरम एवं चौधरी कृषि सेवा केन्द्र परसवानी के द्वारा बिना स्त्रोत प्रमाण पत्र के कीटनाशी विक्रय करने एवं दुकान में मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं करने के फ्लस्वरूप कीटनाशी नियम 1971 के प्रावधानानुसार कारण बताओ नोटिस दिया गया है। संबंधित फर्म को 03 दिन में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जवाब संतोषप्रद नहीं पाए जाने पर संबंधित फर्म के लायसेंस निलंबन की कार्यवाही की जाऐगी। जिला स्तरीय उडन्दस्ता दल में डॉ. परमजीत सिंह कंवर सहायक संचालक कृषि, श्री उमेश चंद्राकर कृषि विकास अधिकारी, श्री भूषण साहू ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, श्री ओमप्रकाश चंद्राकर, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी शामिल थे।

हत्या में शामिल इनामी नक्सली सहित 3 अन्य नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर। नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत थाना नेलसनार से जिला बल और

सीआरपीएफकी संयुक्त टीम द्वारा मिरतुर और कोडोली चौक के पास वाहनों की जांच के दौरान धारदार हथियार के तीन नक्सलियों में एक लाख रुपये का इनामी जनमिलिशिया कमांडर कमलू बेंजाम, मंगलू तेलाम एवं राजू तेलाम को गिरफ्तार किया है।

जन मिलिशिया कमांडर कमलू बेंजाम पर 26 मार्च 2021 को जिला पंचायत सदस्य की हत्या में शामिल रहने का आरोप है, वहीं कमलू पर मिरतुर थाने में 9 स्थाई वारंट भी लंबित है। बीजापुर के एसपी की तरफ से कमलू बेंजाम की गिरफ्तरी पर दस हजार रुपये का इनाम घोषित था। सभी गिरफ्तार नक्सली बीजापुर में कई नक्सली वारदातों को अंजाम देने में शामिल रहे हैं। जिनमें आईईडी प्लांट करना, सड़क काटकर मार्ग अवरूद्ध करने और पम्पलेट लगाने में शामिल रहे हैं। गिरफ्तार तीनों नक्सलियों के विरूद्ध थाना नेलसनार में कार्यवाही के उपरांत मंगलवार को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

छत्तीसगढ़ में पुलिस को मिला नक्सलियों का खजाना

38 लाख कैश और भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद, गरियाबंद-धमतरी पुलिस बल एवं सीआरपीएफ की गई संयुक्त कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के धमतरी व गरियाबंद जिले में पुलिस व सीआरपीएफके संयुक्त ऑपरेशन को बड़ी सफ्लता मिली है। पुलिस ने नक्सलियों द्वारा छिपाए गए विस्फोटक के साथ भारी मात्रा में कैश बरामद किया है। नक्सलियों ने कैश व अन्य नक्सल सामग्री को स्टील के डिब्बों में बंदकर गहरे गड्ढे में गाड़ रखा था। तीन दिन के ऑपरेशन के बाद पुलिस को यह सफ्लता मिली है।

बता दें धमतरी व गरियाबंद जिले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में रायपुर रेंज के अंदरूनी क्षेत्रों में सतत् नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। इस बीच सूचना मिली कि प्रतिबंधित संगठन सीपीआई माओवादी के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार स्थानीय माओवादी इकाइयों द्वारा व्यापारियों एवं अन्य लोगों से लेवी वसूल की गई है। लेवी की रकम के साथ अन्य माओवादी सामग्रियों को गरियाबंद एवं धमतरी के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में छिपाया गया है।

सूचना मिलने पर गरियाबंद-धमतरी पुलिस बल एवं सीआरपीएफ को विशेष सर्चिंग अभियान पर रवाना किया गया। 10 से 12 अगस्त तक यह सर्चिंग अभियान पूरा हुआ। सर्चिंग के दौरान इस बल द्वारा धमतरी-गरियाबंद के सीमा पर छोटे गोबरा एवं पेंड्रा के जंगल क्षेत्रों में जमीन में कई फीट गहरा गड्ढा खोदकर उसे मिट्टी एवं झाड़ियों से छिपाकर लगाए गए डम्प में माओवादी सामग्री बरामद की गई। इसमें विभिन्न स्थलों से स्टील डिब्बे के अंदर 2000 नोट के 6 बंडल, 500 नोट के 52 बंडल प्रत्येक बंडल कुल 38 लाख रुपए बरामद किया गया।

इसके अतिरिक्त 23 नग बीजीएल के राउंड, दो नग टिफिन आईईडी. तथा द्बश्वष्ठ बनाने से संबंधित सामग्री 13 नग डेटोनेटर, 1 बंडल फ्यूज वायर, 2 किलो लूज़ बारूद, यूरिया, 2 नग फ्लैस लाइट, 3 नग मल्टी मीटर, सेंसर रिमोट, इलेक्ट्रिक वायर, माओवादी वर्दी, काला कपड़ा एवं अन्य सामग्री बरामद की गई। इस संबंध में थाना मैनपुर में धारा 308 बीएनएस, धारा 17, 20, 21, 40 वि.वि.क्रि.अधि. तथा थाना मेचका में धारा 109,191(2),191(3),190 बीएनएस.25,27 आर्म्स एक्ट, 4,5 वि.प.अ. तथा 10 वि.वि.क्रि.,13(क),16(क) 38(2),39(2) में अपराध दर्ज कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

दुर्ग पुलिस ने पकड़ा 11 लाख का गांजा पिकअप में चेंबर बनाकर हो रही थी तस्करी

लावारिस हालत में मिले वाहन, आरोपियों की तलाश जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र में पुलिस ने 11 लाख का गांजा जब्त करने में सफलता पाई है। पुलिस को चकमा देने के लिए तस्करों ने पिकअप में गुप्त चेंबर बना रखा था। पुलिस की घेराबंदी के कारण गिरफ्तारी के डर से तस्कर पिकअप छोड़कर भाग गए। पुलिस ने जब बारीकी से जांच की तो खाली पिकअप में गुप्त चेंबर दिखा। जिसे खोलने पर पुलिस की आंखें फटी की फटी रह गई। पिकअप से 104 पैकेट में कुल 113 किलो गांजा कीमती 11 लाख बरामद किया। पुलिस ने थोड़ी दूरी पर एक खाली पिकअप भी बरामद किया। पुलिस को तस्कारों की तलाश है।

बता दें जिलें में हो रहे नशे के कारोबार को रोकने एसपी जितेन्द्र शुक्ला द्वारा गंभीरता से नशे के कारोबारियों पर कार्रवाई का निर्देश दिया है। इसी कड़ी में एसीसीयू टीम को मुखबीर से सूचना मिली कि जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र अंतर्गत भटगांव निवासी संतोष द्वारा उड़िसा से बहुत भारी मात्रा में गांजा लाकर स्थानीय स्तर पर सप्लाई करने की तैयारी है। उसके द्वारा दो माल वाहक (टाटा डीआई 207) में गुप्त चेंबर बनाकर गांजा की तस्करी किए जाने की सूचना मिली।

सूचना पर एसीसीयू टीम द्वारा लगातार संदेही पर नजर रखी जा रही थी। इसबीच पता चला कि एक वाहन उडिसा गांजा लेने भेजा गया था। इसके बाद एसीसीयू टीम द्वारा लगातार चौंकी जेवरा सिरसा के आस-पास के गांव भटगांव, करंजा भिलाई, रवेलीडीह, समोदा, अरसनारा में पतातलाश किया जा रहा था। इसी दौरान पता चला कि आरोपियों द्वारा जेवरा सिरसा धमधा मार्ग पर गांजा खपाने का प्रयास किया जा रहा है। सूचना पर एसीसीयू एवं चौकी की संयुक्त टीम द्वारा घेरा बंदी की गई। इस बीच मंगलवार 13 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली कि कचांदूर गौठान खार के पास सफेद रंग की एक माल वाहक छिपाकर रखा गया है।

मुखबिर के बताए गए स्थान पर देखने पर एक मालवाहक सफेद रंग की डीआई सीजी 04 जे. 4787 लावारिस हालत में खड़ी थी।आसपस पतासाजी करने पर कोई नहीं मिला। संदेह होने पर उक्त वाहन का बारिकी से निरीक्षण किया गया। वाहन के ट्राली के नीचे चेंबर बना हुआ मिला जिसके अंदर 104 पाकेट गांजा कुल 113 किलो बरामद किया गया। उक्त गांजा का बाजार मूल्य करीब 11 लाख 25 रुपए है। पुलिस ने उक्त गांजा जब्त किया। पुलिस ने कचांदूर गौठान से लगभग एक किमी दूरी पर दूसरा वाहन बरामद किया गया जो झाडियों के बीच में छिपाकर खड़ी किया गया था। इस वाहन में भी गुप्त चेंबर बना हुआ था। जांच करने पर इसमें कुछ भी नहीं मिला तो पुलिस ने गाड़ी जब्त कर ली। इस पूरी कार्रवाई में एएसआई नरेन्द्र सिंह राजपूत, गुप्तेश्वर यादव, पूर्ण बहादुर, शशीकांता, प्रधान आरक्षक प्रदीप ठाकुर, जितेन्द्र सिंह, रोशन भुवाल, पुनेश साहू, आरक्षक जूगनू, पन्ने लाल, संतोष कुमार, हेमेन्द्र बंछोर, श्याम सिंह, चित्रसेन साहू आदि की सराहनीय भूमिका रही।

नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

कोरबा (ए.)। जिले की एक प्रधान पाठिका से बेमेतरा जिले के रहने वाले परिचित शख्स ने नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया। आरोपी ने अमरकंटक के पास एक होटल में रेप की वारदात को अंजाम दिया। गौरेला पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पिछले दिनों गौरेला थाना में कोरबा जिले की रहने वाली एक प्रधान पाठिका ने रिपोर्ट लिखवाई थी कि वह रायपुर में युवक श्रीकांत पांडेय के संपर्क में आई थी। श्रीकांत रायपुर में कार ड्राइविंग सिखाने का काम करता था। युवक बेमेतरा जिले का रहने वाला है। दोनों के बीच फोन पर बात भी होती रही। इस दौरान दोनों गौरेला थाना क्षेत्र के अमरकंटक जाने वाले मार्ग में स्थित केंवची की एक होटल में रुके। खाने में श्रीकांत ने कुछ नशीला पदार्थ मिला दिया। इसके बाद आरोपी ने महिला से होटल के कमरे में दुष्कर्म किया। होश आने पर महिला को अपने साथ गलत कृत्य होने की जानकारी हुई। उसने अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी और गौरेला थाना में आरोपी श्रीकांत के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाया। एसपी भावना गुप्ता के निर्देश पर गौरेला पुलिस ने टीम बनाकर आरोपी श्रीकांत पांडेय को गिरफ्तार किया है।

स्वाइन फ्लू के मरीज मिलने से जिले में मचा हड़कंप

जांजगीर-चाम्पा (ए.)। स्वाइन फ्लू के दो मरीज मिलने की खबर ने जांजगीर-चाम्पा जिले में हड़कंप मचा दिया। स्वाइन फ्लू के मरीजों के परिजनों का सेम्पल लेने डॉक्टर के साथ टेक्निशियनों की टीम पहुंची तो एके परिवार वालों ने बिना जांच किए स्वाइन फ्लू घोषित कर परिवार का नाम खराब करने पर आरोप लगाया. जिला स्वास्थ्य अधिकारी के अनुसार जिस महिला की अपोलो में स्वाइन फ्लू से मौत हुई थी, वह उन्हीं की परिजन थी, लेकिन इनका महिला से कोई कांटेक्ट नहीं था। फिर भी एतिहातन सेम्पल लिया गया है, और क्वारंटाइन रहने मे निर्देश दिए गए है। उन्होंने परिवार के 12 सदस्यों का सेम्पल लेने के निर्देश दिए हैं।

पत्नी व तीन बच्चों को सुलाया मौत की नींद, अब होगी फांसी

रायपुर (ए.)। अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद तीनों बच्चों को मौत की नींद सुलाने वाले युवक को दशम सत्र न्यायाधीश ने जान निकलने तक फंदे पर लटकाने की सजा सुनाई है। बिलासपुर जिले में 13 साल बाद किसी व्यक्ति को मृत्युदंड की सजा सुनाई गई है। इससे पहले वर्ष 2011 में रतनपुर निवासी व्यक्ति को मृत्युदंड की सजा सुनाई गई थी।

इस मामले में पुलिस और अदालत की तत्परता भी सामने आई है, जिसके चलते इस बड़े और बहुचर्चित मामले में अभियुक्त को उसके किए की सजा मिलने जा रही है। घटना व आरोपी की गिरफ्तारी के तीन माह के भीतर ही पुलिस ने चालान पेश कर दिया था। वहीं सात माह बाद ही जज ने अपना फैसला सुनाया है।

मामले में न्यायालय ने 10 हजार रुपये का अर्थदंड और इसे नहीं पटाने पर तीन माह कारावास की सजा का भी आदेश दिया है। आरोपित उमेंद्र केंवट को फांसी के फंदे तक पहुंचाने में शासन की ओर से पैरवी करने वाले अतिरिक्त लोक अभियोजक लक्ष्मीकांत तिवारी और अतिरिक्त लोक अभियोजक अभिजीत तिवारी की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं पुलिस की जांच में कई और तथ्य भी सामने आए। इसके अनुसार पत्नी व तीनों बच्चो की हत्या करने के बाद उमेंद्र ने भी आत्महत्या की कोशिश की थी। वह रस्सी का फंदा बनाकर झूल गया था, लेकिन रस्सी टूटने से वह आत्महत्या करने में असफल रहा। फिर दोबारा फांसी लगाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। इसके बाद उसने खुद मस्तूरी थाने पहुंचकर सरेंडर करते हुए अपनी पत्नी व तीनों बच्चों की हत्या की सूचना दी थी।

चपरासी से बीईओ कार्यालय के बाबू ने मांगी 20 हजार की रिश्वत, एसीबी ने रंगे हाथों पकड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर-रामानुजगंज। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में बीईओ कार्यालय का बाबू रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ाया। बाबू ने यहां के एक शासकीय स्कूल के चपरासी अपने रुके हुए एरियर्स का बिल बनवाना चाह रहा था। इसके लिए बाबू ने रिश्वत मांगी। इस मामले में शिकायत के बाद एसीबी अंबिकापुर की टीम ने बाबू को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

मिली जानकारी के अनुसार नितेश रंजन पटेल शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला ददिया संकुल-कछिया, वाड्रफ्नगर जिला बलरामपुर में भृत्य (चपरासी) के पद पर पदस्थ है। उसने एसीबी में शिकायत करते हुए बताया कि वर्ष 2013 से 2017 की अवधि का एरियर्स का भुगतान नही हुआ है। इसके लिए उसने बीईओ कार्यालय वाड्रफ्नगर में पदस्थ बाबू सहायक ग्रेड-2

गौतम सिंह से संपर्क किया। गौतम सिंह ने बिल तैयार करने के एवज में 20 हजार रुपए की डिमांड की।

भृत्य नितेश ने इतनी रकम देने में असमर्थता जताई तो सौदा 12 हजार रुपए में तय हुआ। हालांकि भृत्य नितेश रिश्वत नहीं देना चाह रहा था इसलिए वह एसीबी दफ्तर अंबिकापुर पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई। अंबिकापुर एसीबी ने शिकायत का सत्यापन किया और उसके बाद ट्रेप करने का प्लान बनाया। मंगलवार को 12 हजार रुपए देकर भृत्य को भेजा गया। जैसे ही भृत्य ने बाबू गौतम सिंह को लिफाफे में बंद रुपए दिए तो एसीबी की टीम पहुंच गई। एसीबी ने गौतम सिंह बाबू को रंगे हाथ पकड़ा और उसे गिरफ्तार कर धारा 7 पीसीएक्ट 1988 के प्रावधानों के तहत् कार्यवाही की जा रही है।

ड्राई डे पर खपाने रखे अवैध शराब को पुलिस ने किया जब्त

राजनांदगांव (ए.)। जिला पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 15 अगस्त ड्राई डे पर खपाने के लिए अवैध रूप से शराब खरीदकर एकत्रित करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से अलग-अलग 100 नग देशी प्लेन मदिरा तथा 101 नग जम्मू डिलक्स ग्राण्ड कोलंबिया एवं सेण्डीकेट व्हीस्की जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मोहित गर्ग द्वारा अवैध शराब बिक्री/परिवहन जुआ, सट्टा की रोकथाम हेतु जिले में चलाये जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी डोंगरगढ आशीष कुंजाम के प्रर्यवेक्षण में 13 अगस्त 2024 को थाना छुरिया पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना मिला कि देशी शराब भट्ठी के पास कुछ लोग आने जाने वालों से अतिरिक्त शराब खरीदवाकर जमा कर रहा है। सूचना पर पुलिस की टीम देशी शराब भट्ठी के पास मुखबीर के बताये स्थान पर जाकर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही करते हुए मौके से कुलेश्वर कुमार लाउत्रे से एक एक्टिवा वाहन क्रमांक सीजी 08 एजे 6942 में रखा 100 नग देशी प्लेन मदिरा कीमत 8 हजार एवं टिकेश पाल से एक प्लेजर स्कुटी वाहन क्रमांक सीजी 08 एवी 1381 में रखा 101 नग जम्मू डिलक्स ग्राण्ड कोलंबिया एवं सेण्डीकेट व्हीस्की कीमत 13130 रूपये को जप्त किया है। मामले में आरोपियों के खिलाफ अग्रिम कार्यवाही की जा रही है ।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 07.08.2024

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)

(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र ''अ'' में प्रतिशत दर पर दिनांक 27.08.2024 तक आमंत्रित की जाती है :-

निविदा आमंत्रण सू.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
109/दुर्ग(बेमेतरा)/2024	साजा उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का निर्माण साधारण मरम्मत कार्य	49.99
110/दुर्ग(दुर्ग)/2024	जिला दुर्ग के जिला पंजीयक एवं उप पंजीयक कार्यालय दुर्ग का कार्यालय भवन का निर्माण कार्य	75.13

टीप :-

1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है.
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें.

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष- 0788-2210876

जी-242501798/4

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

हर घर तिरंगा

15 अगस्त 2024

स्वतंत्रता दिवस

हमारी शान तिरंगा
हमारी जान तिरंगा

आइये मनाएँ अपनी
आज़ादी का उत्सव

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में
छत्तीसगढ़ महतारी के आँगन में
शान से लहराता रहे हमारा तिरंगा

गाँव में हो या शहर में
तिरंगा लहराए हर घर में

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएँ...

- विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से
जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करें।

RO-41148/14

विष्णु के सुशासन से सँवर रहा छत्तीसगढ़

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950